छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 87 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 31 मार्च 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

ये मोदी की सरकार है, जो हथियार उठाएगा, उसका हिसाब चुकता होगा: अमित शाह

छ.ग.फ्रंटलाइन नईदिल्ली। लोकसभा में सोमवार को नक्सल मुक्त भारत पर अहम बहस हो रही है। केंद्र सरकार की ओर से नक्सलियों के खिलाफ सफल अभियान का पूरा खाका पेश किया जा रहा है। नक्सल मुक्त भारत बनाने की डेडलाइन 31 मार्च 2026 है। ऐसे में डेडलाइन से एक दिन पहले लोकसभा में इस अहम मुद्दे पर चर्चा हो रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस के समय आदिवासियों का विकास नहीं हुआ। पहले देश के 12 राज्य नक्सलवाद से प्रभावित थे और अब यह लगभग समाप्त हो गया है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश नक्सल मुक्त हो गया है। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के किले को तोड़ दिया है। दंडकारण्य में नक्सलियों की मुख्य कमेटी समाप्त हो गई है। उन्होंने नक्सलवाद के लिए पूर्व की कांग्रेस सरकार की नीतियों को भी दोषी ठहराया।

'बस्तर से नक्सलवाद लगभग खत्म'

अमित शाह ने कहा कि देश हमारे लिए सबसे अहम है। देश लंबे समय से नक्सलवाद से पीड़ित था, लाल आतंक की परछाई थी। इसलिए बस्तर में विकास नहीं पहुंचा था। आज परछाई हट गई है, इसलिए वहां विकास पहुंच रहा है। बस्तर से भी नक्सलवाद लगभग खत्म हो चुका है। जो हथियार उठाएगा, उसे हिसाब चुकाना होगा। हम आदिवासियों के अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं। नक्सलवाद का मूल कारण विकास की डिमांड नहीं थी, बल्कि वामपंथी विचारधारा के कारण नक्सलवाद बढ़ा। मोदी सरकार के 12 साल देश के लिए शुभ हैं। नक्सल मुक्त भारत की रचना भी मोदी शासन में हुई। कल नक्सलवाद का भारत में आखिरी दिन है। वामपंथ उग्रवाद खत्म होने जा रहा है।

'जो हथियार उठाएगा वह कीमत चुकाएगा'

अमित शाह ने कहा कि वामपंथी उग्र विचारधारा का विकास से कोई मतलब नहीं। इनका ध्रुव वाक्य है कि सत्ता बंदूक की नली से निकलती है। इस विचारधारा को भोले-भाले आदिवासियों में फैलाकर सत्ता हासिल करना चाहते हैं। अमित शाह ने साफ तौर पर कहा कि जो हथियार उठाएगा वह कीमत चुकाएगा। अमित शाह ने कहा कि वामपंथियों के द्वारा आदिवासियों को बहकाया गया। वामपंथी उग्रवादियों द्वारा विकास नहीं होने दिया गया। उन्होंने आदिवासी इलाकों में स्कूलों को जला दिया। रेड कॉरिडोर में पहले स्टेट की पहुंच कम थी। नक्सलवाद के कारण इन इलाकों में गरीबी रही।

'कांग्रेस ने कुछ नहीं किया'

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मनमोहन सिंह ने देश के सामने स्वीकार किया था कि कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट से भी बड़ी चुनौती देश के सामने नक्सलवाद है, लेकिन कांग्रेस ने कुछ नहीं किया। 12 राज्यों को रेड कॉरिडोर बना दिया गया और वहां कानून का शासन समाप्त कर दिया गया। 12 करोड़ लोग गरीबी के अंदर सालों तक जीते रहे। दोनों तरफ से 20 हजार युवा मारे गए, कई दिव्यांग बन गए, आखिर इसके लिए कौन जिम्मेदार है? केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार की सबसे बड़ी सिद्धि नक्सल मुक्त भारत है, यह कोई भी रिसर्चर स्वीकार करेगा। आज बस्तर से नक्सलवाद लगभग समाप्त हो चुका है। नक्सलवाद के जो लोग यहां वकालत कर रहे थे, उनसे पूछना चाहता हूं कि मोदी सरकार में वहां के लोगों को जो सुविधाएं मिलीं, वे 1970 से अब तक क्यों नहीं मिलीं?

'गोली का जवाब गोली से ही दिया जाएगा'

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सत्ता के संरक्षण के बिना नक्सलवाद मुमकिन नहीं था। अन्याय के खिलाफ लड़ने का रास्ता संविधान में बताया गया है। वामपंथ का एजेंडा है कि देश में वैक्यूम हो। नक्सलियों के पास में पुलिस थाने से लूटे गए हथियार थे। देश के 17 फीसदी इलाके में नक्सलवाद फैला था। कांग्रेस के काल में ही नक्सलवाद पनपा। नक्सलियों ने संविधान को निशाना बनाया। उन्होंने चुनाव में बाधा डाली। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सली हिंसा के दिन अब लद गए हैं। सरकार की पॉलिसी है कि जो गोली चलाएगा उसे जवाब गोली से ही दिया जाएगा। हथियार डालने वालों से सरकार बात करती है। हथियार के दम पर धमकाएंगे तो ये सरकार डरने वाली नहीं है। नक्सली हथियार डालें, सरकार उनकी मदद करेगी।

'हम नक्सल मुक्त हो गए हैं'

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हम नक्सल मुक्त हो गए हैं। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के किले को तोड़ दिया है। दंडकारण्य में नक्सलियों की मुख्य कमेटी समाप्त हो गई है। हमने नक्सलवाद के पूरे ढांचे पर प्रहार किया है। हमने संवाद, सुरक्षा और समन्वय का इस्तेमाल किया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 'मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की स्टेट कमेटियों के सदस्य सरेंडर कर चुके हैं। ओडिशा में जो चार बचे थे, उनमें से एक ने सरेंडर किया और तीन मारे गए। तेलंगाना में छह ने सरेंडर किया, तीन मारे गए, अब वहां एक भी नहीं बचा है। इस प्रकार उनकी पॉलिट ब्यूरो और सेंट्रल स्ट्रक्चर लगभग समाप्त हो चुका है। हमारा लक्ष्य 31 मार्च तक नक्सल-मुक्त भारत का था। पूरी प्रक्रिया औपचारिक रूप से पूरी होने के बाद देश को सूचित किया जाएगा, मगर मैं ऐसा बोल सकता हूं कि हम नक्सल मुक्त हो गए हैं।'

हिरणों के बाड़े में कुत्तों के प्रवेश का बताया जा रहा स्थान संदेह के घेरे में

कांग्रेस जांच दल के समक्ष कई विवादास्पद तथ्य भी सामने आए

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संजय पार्क में 15 हिरणों की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की जांच के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित 6 सदस्यीय जांच दल ने शनिवार को संजय पार्क का दौरा करके सरगुजा के वनमंडलाधिकारी से भी मुलाकात किया। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज के सरगुजा दौरे के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पूर्व केबिनेट मंत्री अमरजीत भगत के नेतृत्व में 6 सदस्यीय जांच कमेटी की घोषणा की थी, जिसमें कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद, प्रदेश महामंत्री द्वितेंद्र मिश्र, जिला कांग्रेस के महामंत्री हेमंत तिवारी एवं अनूप मेहता शामिल हैं। जांच दल ने अपनी कार्रवाई के दौरान संजय पार्क में घटनास्थल का अवलोकन करने के साथ ही इस पार्क की देखभाल करने वाली कमेटी के अध्यक्ष और कर्मचारियों से भी पूछताछ की। जांच दल ने उन स्थलों को भी देखा जहां मृत वन्यजीवों को रखा गया, उनका पोस्टमार्टम किया गया और उनका दाह संस्कार किया गया। जांच दल ने डीएफओ से मुलाकात करके संजय पार्क की व्यवस्थाओं के लिए जवाबदेह कमेटी की वैधानिकता को जानने के साथ ही वन विभाग के दायित्वों को लेकर भी सवाल किया। जांच दल ने मृत वन्यजीवों के संदर्भ में हुई वीडियोग्राफी के साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट की भी

मांग की है। जांच दल शीघ्र ही अपनी जांच रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष को सौंपने के साथ सार्वजनिक भी करेगा। मीडिया को संबोधित करते हुए जांच दल के अध्यक्ष अमरजीत भगत ने कहा कि हिरणों के बाड़े में कुत्तों के प्रवेश का जो स्थान बताया जा रहा है, वो कुत्तों के प्रवेश की दृष्टि से अविश्वसनीय प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि संजय पार्क की देखभाल करने वाली कमेटी और इस पर काबिज होने को लेकर कई विवादास्पद तथ्य सामने आ रहे हैं, जांच दल के साथ चर्चा में डीएफओ ने भी इसे स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि जांच कार्य पूर्ण होते ही मीडिया को भी विस्तार से इसकी जानकारी दी जाएगी। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री डॉ. जे.पी. श्रीवास्तव, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष अरविंद सिंह, महामंत्री आलोक सिंह, युवा कांग्रेस अध्यक्ष विकल झा, एनएसयूआई अध्यक्ष आशीष जायसवाल मौजूद थे।

ठेकेदार से मारपीट, मोबाइल फोन पटक कर क्षतिग्रस्त किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्कूटी अड़ाकर एक अन्य स्कूटी में सवार ठेकेदार के साथ गाली-गलौज, मारपीट और मोबाइल फोन पटक कर क्षतिग्रस्त कर देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध अपराध दर्ज कर लिया है। घटना अजिरमा स्थित कृषि महाविद्यालय के पास की है। ठेकेदारी करने वाले सुभाषनगर, बाबरा बगीचा निवासी संजय जायसवाल ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 17 मार्च की रात को करीब 8.30 बजे वह अपने घर से साथी सिकन्दर के साथ पटवारी पारस जाटव का स्कूटी वाहन छोड़ने भगवानपुर रोड होते हुए पटपरिया जा रहा था। इसी बीच अजिरमा कृषि कॉलेज के पास उनकी स्कूटी के सामने हर्षित चक्रवर्ती अपने स्कूटी क्रमांक सीजी 15 ईजी 1259 को अचानक रोक दिया, जिससे मार्ग अवरूद्ध हो गया। इस दौरान विवाद की स्थिति बनी और हर्षित चक्रवर्ती मुक्का से नाक व मुंह में वार करके जान से मारकर गाड़ देने की धमकी देने लगा। आरोपित की हरकत का जब ठेकेदार संजय ने वीडियो बनाने का प्रयास किया, तो वह मोबाइल को पटक दिया। मारपीट के दौरान ठेकेदार ने पर्स भी गायब होने का आरोप लगाया है। मारपीट में आई चोटों का इलाज कराने के बाद ठेकेदार ने घटना की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2), 126(2), 296, 324(4), 351(3) का मामला दर्ज कराया है।

मोबाइल बनवाले निकले युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मोबाइल बनवाने के लिए घर से निकले युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के मुताबिक कोतवाली थाना क्षेत्र के खैरबार गाड़ाघाट का उत्तम टोप्पो पिता रामप्रसाद टोप्पो 20 वर्ष, 28 मार्च की शाम को करीब सात बजे अपने घर में मोबाइल बनवाने के लिए जा रहा हूं, कहकर निकला था, इसके बाद वापस नहीं लौटा। मोबाइल खराब रहने के कारण उससे स्वजन का संपर्क भी नहीं हो पा रहा था, और वे उसके तलाश में लगे थे। 29 मार्च की सुबह पड़ोसी की नजर पेड़ में लटके एक व्यक्ति पर पड़ी, उन्होंने इसकी जानकारी युवक के स्वजन को दी। स्वजन मौके पर पहुंचे, तो उत्तम का शव फांसी पर लटक रहा था। इसकी सूचना पुलिस को दी गई, मौके पर पहुंची कोतवाली थाना पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से उतरवाया और मौका पंचनामा किया। स्वजन ने मोबाइल नहीं बनने से क्षुब्ध होकर फांसी जैसा कदम उठाने की संभावना व्यक्त की है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। नवयुवक की मौत से स्वजन में शोक का माहौल है।

उत्तर छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी को मिलेगी नई उड़ान, व्यापार, पर्यटन और निवेश के खुलेंगे द्वार-साय

सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज दिल्ली हवाई सेवा के बने पहले यात्री

■ **मुख्यमंत्री ने अंबिकापुर-दिल्ली-कोलकाता हवाई सेवा का वर्चुअल शुभारंभ किया**

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को छत्तीसगढ़ के विमानन मानचित्र पर एक नया गौरवशाली अध्याय जोड़ते हुए अंबिकापुर, दरिमा स्थित मां महामाया एयरपोर्ट से दिल्ली और कोलकाता के लिए नियमित हवाई सेवा का वर्चुअल शुभारंभ किया। वहीं पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक विमानन सेवा के साक्षी बने। सरगुजा सांसद इस मौके पर दिल्ली हवाई सेवा के पहले यात्री बने, उन्होंने विमान में सवार यात्रियों का मुंह मीठा कराया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में इस दिन को छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हवाई सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। दरिमा एयरपोर्ट से महानगरों के लिए विमान सेवा की लंबे समय से की जा रही मांग आज पूरी हुई है। इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा इस सेवा के प्रारंभ होने से अंबिकापुर, बिलासपुर, दिल्ली और कोलकाता के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी और आवागमन सुगम बनेगा। अंबिकापुर से दिल्ली तथा कोलकाता के लिए सप्ताह में दो-दो दिन उड़ान संचालित होगी, जिससे सरगुजा एवं बिलासपुर क्षेत्र के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। इन उड़ानों के शुरू होने से अंबिकापुर, बिलासपुर, दिल्ली और कोलकाता के बीच कनेक्टिविटी बेहद मजबूत होगी। सप्ताह में दो-दो दिन इन सेवाओं के संचालन से सरगुजा और बिलासपुर संभाग के नागरिकों को अब सीधे देश की राजधानी और पूर्वी भारत के प्रमुख महानगर कोलकाता तक पहुंचने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 'विकसित छत्तीसगढ़' के लक्ष्य की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है, जो विकसित भारत के अनुरूप है। हवाई सेवाओं का विस्तार इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत प्रदेश को लगातार लाभ मिल रहा है। हाल ही में रायपुर से रीवा के लिए भी विमान सेवा शुरू की गई है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, महापौर मंजूषा भगत, सरगुजा संभागायुक्त नरेन्द्र दुग्गा, आईजी दीपक झा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

निवेशकों में छत्तीसगढ़ के प्रति उत्साह बढ़ा

एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले बजट में रायपुर एयरपोर्ट के विस्तार हेतु 39.80 करोड़ रुपये तथा जगदलपुर एवं दरिमा एयरपोर्ट के विकास हेतु 7.45 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वर्तमान बजट में 'सीजी वायु योजना' के तहत 30 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे बिलासपुर, जगदलपुर एवं अंबिकापुर में हवाई सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हाल ही में बिलासपुर एयरपोर्ट को ऑल वेदर ऑपरेशन की सुविधा मिली है और नाइट लैंडिंग और टेकऑफ की शुरुआत भी की गई है, जो राज्य के एविएशन सेक्टर की बड़ी उपलब्धि है। एविएशन सेक्टर राज्य के आर्थिक विकास और निवेश आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद प्रदेश को लगभग 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। विभिन्न शहरों में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रमों के माध्यम से निवेशकों में छत्तीसगढ़ के प्रति उत्साह बढ़ा है। उन्होंने कहा कि राज्य अब कृषि और मैन्युफैक्चरिंग के साथ-साथ पर्यटन, फार्मा, टेक्सटाइल, आईटी एवं शिक्षा जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिसमें हवाई सेवाओं का विस्तार नई गति प्रदान करेगा। अंत में उन्होंने अम्बिकापुर से दिल्ली और कोलकाता के लिए विमान सेवा प्रारंभ होने पर सरगुजा वासियों, प्रदेशवासियों को बधाई दी।

इन्होंने कहा-समय की बचत और विकास को मिलेगी रफ्तार

* उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इस ऐतिहासिक अवसर पर बधाई देते हुए कहा कि अब अंबिकापुर से सीधे दिल्ली एवं कोलकाता पहुंचने में सुविधा प्राप्त होगी। हवाई कनेक्टिविटी से कम समय में हम आसानी से पहुंच जाएंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उड्डयन मंत्री एवं मुख्य मंत्री विष्णु देव साय का आभार प्रकट किया।

* संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बहु प्रतीक्षित हवाई सेवा दिल्ली एवं कोलकाता के लिए प्रारंभ हो गई है यह अंबिकापुर एवं सरगुजा संभाग के लोगों के लिए खुशी की बात है। उन्होंने सरगुजा वासियों की तरफ से केंद्रीय नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया।

* सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि अंबिकापुर से दिल्ली एवं कोलकाता के लिए हवाई सेवा आज से प्रारंभ हो गई है। हवाई सेवा प्रारंभ होने से व्यापार, पर्यटन एवं अन्य क्षेत्रों में लाभ मिलेगा। वे स्वयं अंबिकापुर से दिल्ली के लिए यात्रा कर हवाई सेवा की साक्षी बनने जा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उड्डयन मंत्री एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार प्रकट किया।

* लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि हवाई सेवा अंबिकापुर से प्रारंभ होना हमारे लिए गौरव की बात है, इससे कनेक्टिविटी बढ़ेगी एवं दिल्ली कोलकाता जाने में सुविधा होगी। पर्यटन एवं व्यापार सहित अन्य क्षेत्रों में लाभ मिलेगा।

* कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि हवाई सेवा का प्रारंभ होना जिले के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। आज से अंबिकापुर दरिमा से हवाई सेवा प्रारंभ हो गई है, जो गौरव की बात है, इससे अंबिकापुर सहित संभाग के लोगों को दिल्ली एवं कोलकाता पहुंचने में सुविधा मिलेगी तथा पर्यटन, संस्कृति एवं व्यापार के क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने जिला प्रशासन की ओर से सभी का आभार व्यक्त किया।

एलायंस एयर का फ्लाइट शेड्यूल, सप्ताह में 4 दिन

विमानन कंपनी एलायंस एयर द्वारा इन उड़ानों का संचालन किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए टिकट बुकिंग आधिकारिक वेबसाइट पर प्रारंभ हो चुकी है।

दिल्ली रूट (सोमवार और बुधवार)

सोमवार (फ्लाइट नं. 91613) दिल्ली से बिलासपुर होते हुए सुबह 11:35 बजे अंबिकापुर पहुंचेगी। वापसी में दोपहर 12 बजे अंबिकापुर से सीधे दिल्ली के लिए उड़ान भरेगी। बुधवार (फ्लाइट नं. 91614) दिल्ली से सुबह 10.25 बजे अंबिकापुर आगमन और दोपहर 12 बजे बिलासपुर होते हुए दिल्ली प्रस्थान करेगी।

कोलकाता रूट (गुरुवार और शनिवार)

शनिवार (फ्लाइट नं. 91763) कोलकाता से बिलासपुर होते हुए सुबह 10 बजे अंबिकापुर आगमन और 10.25 बजे सीधे कोलकाता प्रस्थान करेगी। गुरुवार (फ्लाइट नं. 91765) कोलकाता से सुबह 08.50 बजे अंबिकापुर आगमन और 09.15 बजे बिलासपुर होते हुए कोलकाता प्रस्थान करेगी।

रेलवे स्टेशन में प्रधान आरक्षक से गालीगलौज, मारपीट का प्रयास

■ **बीच सड़क में बैठा रहा था सवारी, ऑटो चालक के विरूद्ध केस दर्ज**

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। रेलवे स्टेशन मार्ग में बीच सड़क पर यातायात में बन रही अवरोध की स्थिति को देखते हुए प्रधान आरक्षक ने ई-रिक्शा के चालक को सड़क के किनारे वाहन खड़ा करके सवारी बैठाने के लिए कहा, जिस पर वह आवेशित होकर गाली-गलौज करते हुए डंडा निकालकर मारपीट पर उतारू हो गया। इस दौरान आसपास मौजूद लोग पहुंचे और बीच-बचाव किए। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी ई-रिक्शा के चालक के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस लाइन अंबिकापुर में पदस्थ प्रधान आरक्षक देवनारायण सिंह नेताम ने गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मौखिक आदेश पर वह रेलवे स्टेशन अंबिकापुर में ड्यूटी कर रहा है। 29 मार्च को ड्यूटी के समय सुबह करीब 8.40 बजे रेल्वे स्टेशन में ऑटो स्टेशन पार्किंग में ड्यूटी के बीच दुर्ग से अंबिकापुर आने वाली ट्रेन पहुंची, जिस कारण काफी भीड़ हो गया था। इस दौरान सोल्ड ई-रिक्शा का चालक शान्तनु पाल अपने रिक्शा को बीच रोड में खड़ा करके सवारी बैठा रहा था, जिससे जाम की स्थिति निर्मित हो गई थी। आरोप है कि ई-रिक्शा के चालक को साइड में ऑटो लगाकर सवारी बैठाने के लिए कहने पर वह सार्वजनिक स्थान पर ड्यूटी के दौरान शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करते हुए गाली-गलौज करने लगा और जान से मारने की धमकी देते हुए ई-रिक्शा में रखे बांस के डंडा से हमला करने का प्रयास करने लगा। इस दौरान आसपास मौजूद लोग बीच-बचाव किए। रिपोर्ट पर पुलिस ने ई-रिक्शा के चालक के विरूद्ध बीएनएस की धारा 132, 221, 296, 351(3) का मामला दर्ज कर लिया है।

पश्चिम एशिया संकट के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर ने ली बैठक

★ जिले में आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध उपलब्धता ★ अफवाहों पर समुचित नियंत्रण के दिए निर्देश ★ कालाबाजारी एवं जमाखोरी पर होगी सख्त कार्रवाई

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। पश्चिम एशिया में उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर जिलों में आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिए गए निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर श्री कटारा ने पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस (एलपीजी) सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं के आपूर्ति व्यवस्था, भंडारण, वितरण एवं परिवहन की गहन समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आपूर्ति व्यवस्था पर सतत निगरानी रखें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पेट्रोल पंपों एवं वितरण केंद्रों के औचक निरीक्षण कर उच्च गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरों की जांच करने तथा उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि उनके माध्यम से सतत निगरानी रखी जा सके। कलेक्टर ने कहा कि कालाबाजारी, जमाखोरी, अवैध भंडारण और एमआरपी से अधिक कीमत पर बिक्री पाए जाने पर त्वरित एवं कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने खाद्यान्न वितरण प्रणाली के संबंध में निर्देशित करते हुए कहा है कि राशन वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ रखा जाए ताकि कोई भी पात्र हितग्राही खाद्यान्न से वंचित न रहे। आगामी खरीफ सीजन के दृष्टिगत किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए भंडारण एवं वितरण की अग्रिम कार्ययोजना तैयार करने और उर्वरकों के गैर-कृषि उपयोग पर पूर्ण नियंत्रण रखने को कहा। साथ ही उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल के अवैध भण्डारण एवं परिवहन पर सतत निगरानी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिले के नागरिकों को आश्वस्त किया है कि जिले में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक भंडारण न करें। कलेक्टर ने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। साथ ही जिले में एलपीजी, डीजल, पेट्रोल, उर्वरक एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता की नियमित समीक्षा करने तथा अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति का भी गठन किया गया है। समिति द्वारा आपूर्ति व्यवस्था की सतत मॉनिटरिंग करते हुए अवैध परिवहन एवं जमाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाएगा।

भ्रामक खबरों पर नियंत्रण हेतु मीडिया सेल सक्रिय

भ्रामक खबरों और सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला स्तरीय मीडिया सेल का गठन किया गया है। जिसके द्वारा सतत निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी से जिले की कानून-व्यवस्था प्रभावित न हो। उन्होंने आम नागरिकों से कहा है कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अपुष्ट एवं भ्रामक जानकारी से बचें केवल आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

समस्या के त्वरित निराकरण के लिए हेल्प लाइन नंबर जारी

संभावित आपूर्ति व्यवधानों की आशंकाओं को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन में खाद्य विभाग द्वारा जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। नागरिक गैस एवं ईंधन आपूर्ति से संबंधित किसी भी समस्या, शिकायत या जानकारी के लिए खाद्य विभाग कॉल सेंटर नंबर 1800-233-3663 अथवा 1967, राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम नंबर 0771-2511975 तथा जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष नंबर 92026-08795 पर संपर्क कर सकते हैं।

एलपीजी की बुकिंग, वितरण एवं भंडारण संबंधी निर्देश

घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे रिफिल सिलेंडर की बुकिंग निर्धारित अंतराल के बाद ही कराएं। ऑयल कंपनियों द्वारा दो बुकिंग के बीच शहरी क्षेत्रों में 25 दिन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन का अंतराल निर्धारित किया गया है। साथ ही किसी भी अफवाह या दुष्प्रचार से प्रभावित होकर बार-बार ऑनलाइन बुकिंग करने से बचने की अपील की गई है। व्यावसायिक एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए वर्तमान स्थिति में गैस की आपूर्ति अत्यावश्यक सेवाओं जैसे अस्पताल एवं शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है। साथ ही सभी गैस एजेंसियों को अपने पास उपलब्ध एलपीजी स्टॉक की जानकारी प्रदर्शित करने तथा प्रतिदिन जिला कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री अभिषेक गुप्ता, सर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सर्व जनपद सीईओ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बंद खदानों में बढ़ी चोरी की घटनाएं, सुरक्षा व्यवस्था बदहाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की कुमदा 7-8 खदान और बलरामपुर खदान पिछले लगभग एक वर्ष से सीटीओ के अभाव में बंद पड़ी हैं। उत्पादन बंद होने के बावजूद इन खदानों में सैकड़ों कर्मचारी पदस्थ हैं, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था कमजोर पड़ने से यहां चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

जानकारी के अनुसार बीती रात कुमदा 7-8 खदान में अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर सब-स्टेशन में लगा ऑयल सर्किट ब्रेकर ओसीबी चोरी कर लिया है। यह उपकरण उच्च वोल्टेज विद्युत प्रणाली में शॉर्ट सर्किट के दौरान बिजली प्रवाह को नियंत्रित करने वाला महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरण होता है। खदान प्रबंधन ने इस संबंध में बिश्रामपुर पुलिस को लिखित सूचना दी है। सूत्रों के अनुसार दोनों बंद खदानों में आए दिन कबाड़ चोर घुसकर मशीनरी और अन्य सामान चोरी कर ले जा रहे हैं। आरोप है कि कई मामलों में प्रबंधन द्वारा औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई जाती, जिससे चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है।

ज्ञात हो कि घाटे में चल रही इन खदानों के बंद होने के बाद सुरक्षा और रखरखाव की स्थिति कमजोर होती जा रही है, जिसका फायदा असामाजिक तत्व उठा रहे हैं। अब लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने खदानों की सुरक्षा व्यवस्था और प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जयनगर बाजार के पास कोयला लोड ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की केतकी खदान से कोयला लोडकर रायगढ़ जा रहा ट्रक एनएच 43 पर जयनगर बाजार के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना में चालक समेत दो लोगों को गंभीर चोट आई है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर रविवार की रात करीब 10 बजे केतकी खदान से कोयला लोडकर रायगढ़ जा रहा ट्रक क्रमांक 15 डीएफ 9308 का चालक तेज रफ्तार की वजह से अनियंत्रित होकर जयनगर बाजार के पास कलाम फल दुकान के सामने अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना में ट्रक सवार सीतापुर क्षेत्र के ग्राम सहनपुर निवासी 24 वर्षीय रविन्द्र यादव पिता कृष्णा प्रसाद व 22 वर्षीय नीरज यादव पिता नंदलाल को गंभीर चोट आई है। जिन्हें जयनगर पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिश्रामपुर में ले जाकर भर्ती कराया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटना के दौरान ट्रक की गति काफी तेज थी, जिस वजह से उक्त दुर्घटना मोड के पास घटित हुई है। लोगों का कहना है कि फल दुकान व आसपास के दुकानों के बंद रहने की वजह से एक बड़ी अनहोनी टल गई। दुर्घटनाग्रस्त वाहन अंबिकापुर तजेंद्र सिंह की बताई जा रही है।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्याएं

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक पश्चात् जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर श्री कटारा ने आमजनों से प्राप्त शिकायत एवं समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुन जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

परीक्षा हॉल में अचानक गिरा प्लास्टर, दो छात्राओं को लगी चोट

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अजबनगर में सोमवार दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया, जब कक्षा में परीक्षा के दौरान अचानक खिड़की के ऊपर का प्लास्टर भरभराकर गिर पड़ा। इस अप्रत्याशित घटना में कक्षा 9 वीं की दो छात्राएं मीरा सिंह और नेहा को चोट आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना दोपहर करीब 2 बजे की है, जब छात्राएं अपनी कक्षा में बैठ परीक्षा दे रही थीं। इसी दौरान खिड़की के ऊपर का पुराना और जर्जर प्लास्टर अचानक टूटकर नीचे गिर गया। प्लास्टर के मलबे की चपेट में आने से मीरा सिंह और नेहा को चोटें आईं, जिससे कक्षा में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि दोनों छात्राओं की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है, लेकिन इस घटना ने स्कूल की भवन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय भवन लंबे समय से जर्जर स्थिति में है, जिसकी मरम्मत को लेकर कई बार शिकायतें भी की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इस हादसे ने एक बार फिर बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

अभिभावकों ने प्रशासन से मांग की है कि स्कूल भवन की तत्काल जांच कराई जाए और आवश्यक मरम्मत कार्य जल्द से जल्द कराया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। फिलहाल स्कूल प्रबंधन ने घटना की जानकारी उच्च अधिकारियों को दे दी है।

भ्रामक खबरों पर नियंत्रण के लिए मीडिया मॉनिटरिंग दल का गठन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। पश्चिम एशिया में उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर जिले में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता एवं आपूर्ति से संबंधित भ्रामक खबरों और अफवाहों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों की सतत निगरानी हेतु मीडिया मॉनिटरिंग दल का गठन किया गया है। जो एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, उर्वरक एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता से जुड़ी भ्रामक खबरों पर आम नागरिकों तक सही एवं प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराएगी। मॉनिटरिंग दल में अपर कलेक्टर श्री चेतन बोरघरिया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही जिला जनसंपर्क अधिकारी सुश्री देविका मरावी तथा जिला सांख्यिकी अधिकारी श्री संतोष श्रीवास्तव को सदस्य बनाया गया है।

फर्जी नौकरी जांच के दौरान सर्विस रिकॉर्ड से दस्तावेज गायब, प्रबंधन पर उठे सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के बलरामपुर खदान में पदस्थ मैकेनिकल फिटर विनोद कुमार से जुड़े कथित फर्जी नौकरी मामले में जांच के दौरान महत्वपूर्ण दस्तावेज गायब मिलने से नया विवाद खड़ा हो गया है। मामले में प्रबंधन की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। सूत्रों के अनुसार हाल ही में जब प्रबंधन द्वारा मामले की जांच शुरू की गई तो विनोद कुमार के सर्विस रिकॉर्ड में उस भूमि से संबंधित दस्तावेज ही नहीं मिले, जिसके आधार पर उसकी नौकरी लगने की बात कही जा रही थी। बताया जा रहा है कि जांच टीम ने उसे क्लीन चिट दे दी है, जबकि 31 मार्च को वह सेवानिवृत्त भी हो रहा है।

गौरतलब है कि करीब एक वर्ष पूर्व इस मामले में शिकायत मिलने के बाद प्रबंधन ने विनोद कुमार को चार्जशीट जारी की थी। उस पर कंपनी में फर्जी तरीके से नौकरी हासिल करने के आरोप लगाए गए थे। बाद में बीएमएस ने इस मामले को केंद्रीय श्रमायुक्त बिलासपुर के समक्ष औद्योगिक विवाद के रूप में प्रस्तुत किया, जिस पर प्रबंधन अपना जवाब दे चुका है।शिकायतकर्ता श्रीमती श्याम सिंह पति स्व. नर्मदा सिंह निवासी सत्यनगर जुनापारा भैयाथान ने पुलिस में दी शिकायत में आरोप लगाया है कि उनके पति की मृत्यु के बाद भूमि दस्तावेजों की जांच में खसरा नंबर 1166/2 एवं 1256, रकबा 0.202 हेक्टेयर जमीन सामने आई, जिस पर विनोद कुमार द्वारा कथित रूप से फर्जी दावा किया गया। इसी तरह सुनीता सिंह पति प्रदीप सिंह ने भी एसईसीएल प्रबंधन को शिकायत दी थी। प्रबंधन ने 2 नवंबर 2024 को जारी पत्र में बताया था कि विनोद कुमार के खिलाफ कंपनी के प्रमाणित स्थायी आदेश की धारा 26(1), 26 (9) एवं 26 (22) के तहत आरोप पत्र जारी किया गया है। इन धाराओं में धोखाधड़ी, गलत जानकारी देकर नौकरी प्राप्त करना और कंपनी हितों को नुकसान पहुंचाने जैसे आरोप शामिल हैं। मामले की जांच के लिए गठित समिति में अरविंद विकास उरांव प्रबंधक खनन को जांच अधिकारी तथा किशोर कुणाल प्रबंधक विद्युत यांत्रिकी को प्रबंधन प्रतिनिधि बनाया था।पीड़ित पक्ष का आरोप है कि विनोद कुमार के शीघ्र सेवानिवृत्त होने को देखते हुए प्रबंधन द्वारा जांच को जानबूझकर लंबित रखा गया, ताकि उसे सेवानिवृत्ति लाभ मिल सके। वहीं अब सर्विस रिकॉर्ड से दस्तावेजों के गायब होने से पूरे मामले की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस संबंध में कुमदा सह प्रबंधक अश्विनी चंद्रा से संपर्क करने का कई बार प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया, जिससे उनसे बात नहीं हो सकी। बताया जा रहा है कि समाचार प्रकाशन के बाद सब एरिया मैनेजर चंद्रा स्वयं इस प्रकरण की निगरानी कर रहे थे। इधर पीड़ित पक्ष ने मामले को लेकर उच्च न्यायालय जाने की तैयारी शुरू कर दी है।

छात्र संघ चुनाव की मांग ने पकड़ी रफ्तार, एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रदेशभर में छात्र संघ चुनाव की बहाली को लेकर माहौल लगातार गर्माता जा रहा है। लंबे समय से चुनाव न होने से छात्र राजनीति ठहराव की स्थिति में है, जिससे छात्रों के बीच असंतोष बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को एनएसयूआई जिला सूरजपुर के जिला महासचिव पीयूष कुशवाहा के नेतृत्व में सिलफिली शासकीय महाविद्यालय में राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन के माध्यम से छात्रों ने कॉलेज परिसरों में छात्र संघ चुनाव जल्द से जल्द कराने की मांग उठाई। ज्ञापन में स्पष्ट रूप से कहा गया कि प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव की तत्काल बहाली की जाए, ताकि छात्रों को अपने प्रतिनिधि चुनने का लोकतांत्रिक अधिकार मिल सके। साथ ही चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने पर जोर दिया गया।

छात्रों ने यह भी मांग की कि चुनाव कार्यक्रम की तिथि और प्रक्रिया की घोषणा शीघ्र की जाए, जिससे छात्र संगठनों को तैयारी का पर्याप्त समय मिल सके। ज्ञापन में यह मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया कि छात्र हितों की रक्षा के लिए चुने गए प्रतिनिधियों को सशक्त अधिकार और औपचारिक मान्यता दी जानी चाहिए। एनएसयूआई जिला महासचिव पीयूष कुशवाहा का कहना है कि छात्र संघ केवल एक संगठन नहीं, बल्कि यह युवाओं को लोकतंत्र की बारीकियों को समझने और नेतृत्व कौशल विकसित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। ऐसे में चुनाव न होना छात्रों के अधिकारों का हनन है। इससे अब यह साफ हो गया है कि आने वाले दिनों में छात्र संघ चुनाव की मांग को लेकर प्रदेशभर में आंदोलन और तेज हो सकता है।

कोयलांचल में हनुमान जन्मोत्सव के आयोजन हेतु तैयारी पूर्ण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। चैत्र पूर्णिमा के अवसर पर दक्षिणमुखी श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर शिवनंदनपुर में प्रति वर्ष की तरह इस बार भी श्री हनुमान जन्मोत्सव को लेकर आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। साथ ही अंबेडकर चौक के पास स्थित हनुमान मंदिर में श्रीराम टावर एवं धर्मध्वजा स्थापना समारोह आयोजित किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।

मंदिर समिति और सर्व हिन्दू समाज विश्रामपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस दो दिवसीय धार्मिक आयोजन की शुरुआत दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में 1 अप्रैल बुधवार को सुबह 9 बजे से अखंड रामायण पाठ के साथ होगी। दिनभर मंदिर परिसर में रामायण के भजन-कीर्तन से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय रहेगा। अगले दिन 2 अप्रैल गुरुवार को सुबह 8 बजे से विशेष पूजन, सहस्त्राचन एवं अभिषेक का आयोजन किया जाएगा। दोपहर 12 बजे से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन संपन्न होगा और अखंड रामायण पाठ का विधिवत समापन किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 1 बजे से विशाल अखंड भंडारे की शुरुआत होगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

इसी दिन शहर के अम्बेडकर चौक के पास स्थित हनुमान मंदिर में भी हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सुबह 10 बजे से शुरू होने वाले इस आयोजन में दोपहर 12 से 2 बजे तक पूजा-अर्चना, दोपहर 3 से 4 बजे तक सुंदरकाण्ड पाठ तथा शाम 5 से 6 बजे तक सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा। वहीं शाम 4.30 बजे से विशाल भंडारा प्रारंभ होगा। इस पूरे आयोजन का मुख्य आकर्षण श्रीराम टावर और धर्मध्वजा की भव्य स्थापना होगी।आयोजकों ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालु भक्तजनों से अपील की है कि वे सपरिवार अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस पुण्य अवसर का लाभ उठाएं और भगवान संकट मोचन हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त करें।

आधुनिक तकनीक के साथ संवेदनशीलता ही नई पुलिसिंग की पहचान है - मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज चंदखुरी स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी में आयोजित उप निरीक्षक संवर्ग के दीक्षांत (पासिंग आउट परेड) समारोह में शामिल हुए। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली। इस अवसर पर सूबेदार, उप निरीक्षक एवं प्लाटून कमांडर संवर्ग के अधिकारियों को सफल प्रशिक्षण पूर्ण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस सत्र में कुल 859 प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण पूर्ण किया, जिनमें 54 सूबेदार, 528 उप निरीक्षक (जीडी), 02 उप निरीक्षक (कंप्यूटर), 01 उप निरीक्षक (रेडियो), 01 उप निरीक्षक (अंगुली चिन्ह), 68 उप निरीक्षक (एसबी) तथा 205 प्लाटून कमांडर शामिल हैं। मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि यह दिन सभी प्रशिक्षुओं के जीवन का एक यादगार पड़ाव है, जहाँ से वे राष्ट्र और छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा के लिए संकल्पित होकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कठोर प्रशिक्षण के बाद प्राप्त यह उपलब्धि न केवल प्रशिक्षुओं के लिए, बल्कि उनके परिजनों और पूरे प्रदेश के लिए भी गर्व का विषय है। उन्होंने उल्लेख किया कि पिछले वर्ष जब उन्होंने इन्हीं युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए थे, तब उनके पास प्रतिभा थी, और आज प्रशिक्षण के बाद उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का समावेश हो चुका है, जो उन्हें एक सफल अधिकारी बनाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने पुलिस सेवा को अत्यंत प्रतिष्ठित एवं जिम्मेदारीपूर्ण बताते हुए कहा कि किसी भी प्रतिष्ठित सेवा का आधार सत्यनिष्ठा होती है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि पुलिस का मूल दायित्व नागरिकों की रक्षा करना है। जब भी कोई नागरिक असुरक्षित महसूस करता है, तो सबसे पहले पुलिस के पास ही जाता है। इसलिए जनता का विश्वास बनाए रखना पुलिस की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वर्दी केवल अधिकार नहीं, बल्कि जनता की सुरक्षा का संकल्प और उससे जुड़ी प्रतिष्ठा का प्रतीक है, जिसे हर परिस्थिति में बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी कभी आसान नहीं होती, लेकिन क्षमता और समर्पण के साथ इसे सफलतापूर्वक निभाया जा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान किए गए कठिन परिश्रम की तरह ही सेवा में भी निरंतर प्रयास और समर्पण से संतोष और सफलता प्राप्त होती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आज का यह निष्क्रमण केवल अकादमी से बाहर निकलना नहीं, बल्कि वास्तविक कार्यक्षेत्र में प्रवेश का संकेत है। उन्होंने इसे सनातन परंपरा के ह्यनिष्क्रमण संस्कारह्ल से जोड़ते हुए बताया कि जैसे शिशु पहली बार घर से बाहर निकलता है, उसी प्रकार आज ये प्रशिक्षु सुरक्षित प्रशिक्षण वातावरण से निकलकर व्यापक जिम्मेदारियों वाले सेवा क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पुलिसिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। पिछले दो वर्षों में भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी एवं त्वरित बनाया गया है, आधुनिक तकनीक और उपकरणों को पुलिस बल में शामिल किया गया है तथा साइबर अपराधों से निपटने के लिए विशेष इकाइयाँ स्थापित की गई हैं। साथ ही प्रशिक्षण व्यवस्था को अधिक व्यावहारिक और आधुनिक स्वरूप दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य की पुलिस केवल कानून लागू करने वाली संस्था नहीं होगी, बल्कि एक सक्रिय सेवा प्रदाता के रूप में कार्य करेगी, जिसके लिए उसे प्रतिक्रियात्मक से सक्रियात्मक एजेंसी में रूपांतरित होना होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि देश वर्तमान में एक ऐतिहासिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जिसमें औपनिवेशिक कानूनों के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए कानून लागू किए गए हैं। यह दीक्षांत समारोह इस दृष्टि से विशेष महत्व रखता है कि यह उप निरीक्षकों का पहला बैच है, जिसने इन नवीन संहिताओं के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये अधिकारी इन कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करते हुए न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सुरक्षा, विकास और विश्वास इन तीन स्तंभों पर कार्य कर रही है और पुलिस की भूमिका इन तीनों को सशक्त बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पुलिस को केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज से जुड़कर लोगों का विश्वास जीतना चाहिए, क्योंकि क्षेत्र डर से जीता जा सकता है, लेकिन दिल केवल विश्वास से ही जीता जा सकता है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में स्मार्ट, तकनीक-संचालित और संवेदनशील पुलिस व्यवस्था की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य की पुलिस डिजिटल, तकनीकी और उन्नत साधनों से लैस होगी, लेकिन जनता का विश्वास केवल व्यवहार, आचरण और निष्ठा से ही अर्जित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब इन प्रशिक्षुओं का जीवन केवल व्यक्तिगत नहीं रहा, बल्कि समाज और राज्य की सेवा के लिए समर्पित हो गया है। उन्होंने सभी अधिकारियों से आह्वान किया कि वे प्रतिदिन अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय न्याय, ईमानदारी और मानवता को

वन विभाग ने जंगल क्षेत्र में अवैध बोरवेल खनन पर कार्यवाही करते हुए दो वाहन किये जब्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। वन विभाग द्वारा वन क्षेत्र में अवैध बोरवेल खनन की प्राप्त सूचना पर सख्त कार्रवाई की गई। अवैध बोर खनन में लगे 2 वाहनों को जप्त किया गया। ग्रामीणों द्वारा दूरभाष के माध्यम से सूचना देने पर वनमण्डलाधिकारी जशपुर शशि कुमार के निर्देशन में वन परिक्षेत्र सन्ना अंतर्गत परिक्षेत्र सहायक तोरा, परिक्षेत्र सहायक सन्ना, बी.एफ.ओ. कामारिमा, चलनी, धनगुरी एवं बगीचा परिक्षेत्र के वन अमले द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्यवाही की गई। वन अमले द्वारा कक्ष क्रमांक पी 303 में पंचों एवं गवाहों की उपस्थिति में स्थल निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान पाया गया कि बोरवेल खनन का कार्य वन भूमि के अंदर अवैध रूप से किया जा रहा था, जिससे वन क्षेत्र एवं जैव विविधता को गंभीर क्षति पहुंचने की संभावना थी। मौके पर कार्य को तत्काल रुकवाया गया तथा संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ की गई। पूछताछ में वाहन चालक सल्लू राम ग्राम मनोहरपुर एवं गोधन कोमा ग्राम नराटोला जिला बालौद द्वारा बताया गया कि यह कार्य राजेश यादव ग्राम दातुनपानी के निर्देश पर किया जा रहा था। साथ ही यह भी बताया गया कि संबंधित वाहनों के मालिक रमेश जायसवाल निवासी बिलाईगढ़ जिला बलौदाबाजार हैं। वन विभाग द्वारा उक्त अवैध गतिविधि को गंभीरता से लेते हुए ट्रक क्रमांक बीएल22 एएफ 7660 एवं बीएल 22 एएफ 7659 को जब्त किया गया। इस संबंध में वन अपराध के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। जब्त वाहनों को वन आवासीय परिसर सन्ना में सुरक्षित रखा गया है। वन विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि वन भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध उत्खनन, बोरवेल खनन या अन्य गतिविधियां पूर्णतः प्रतिबंधित हैं तथा इस प्रकार के कृत्यों में संलिप्त पाए जाने पर सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बारनवापारा अभयारण्य में काले हिरणों का वैज्ञानिक पद्धति से पुनर्स्थापनः दो चरणों में 34 हिरणों को प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया सुरक्षित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में काले हिरणों को प्राकृतिक आवास में स्वच्छन्द विचरण हेतु छोड़ा गया। अभयारण्य स्थित ब्लैकबक कंजर्वेशन सेंटर से कुल 34 काले हिरणों को वैज्ञानिक पद्धति से दो चरणों में सफलतापूर्वक उनके प्राकृतिक आवास में मुक्त किया गया। इस वर्ष 60 ब्लैकबक पुनर्स्थापना का लक्ष्य है। ब्लैकबक स्थानांतरण प्रक्रिया पूरी तरह से वैज्ञानिक तकनीकों का पालन करते हुए निष्पादित किया गया, जिससे बिना किसी व्यवधान के ही हिरणों को वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। छोड़े गए हिरण रामपुर ग्रासलैंड में निवासरत काले हिरणों से जाकर मिल गए। अधिकारियों ने बताया कि काले हिरणों के इस नए समूह से क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र में सकारात्मक बदलाव आएगा और वन विभाग आने वाले दिनों में इनकी निरंतर निगरानी करेगा। काले हिरण जो एक समय छत्तीसगढ़ की धरती से विलुप्त हो गए थे, इस पुनर्स्थापन के प्रयास से अब अपने प्राकृतिक आवास में कुलांचे भरेंगे। उल्लेखनीय है कि बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में काले हिरणों का संरक्षण प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरुण पांडे के मार्गदर्शन, मुख्य वन संरक्षक वन्यप्राणी सतोविशा समझदार के कुशल नेतृत्व में तथा वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर के द्वारा सक्रिय प्रयास किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण संरक्षण अभियान के दौरान अधीक्षक बारनवापारा कृषाणु चंद्राकर, परिक्षेत्र अधिकारी सुश्री कविता ठाकुर, सूर्यप्रकाश जाधव, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी गीतेश बंजारे, फील्ड बायोलॉजिस्ट, सौरव मेहरा, पशु चिकित्सक जयकिशोर जड़िया सहित बारनवापारा अभयारण्य के समस्त स्टाफ मौजूद थे।

ठेकेदार द्वारा आत्मदाह की चेतावनी को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने बताया आधारहीन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खंड अम्बिकापुर ने सोशल मीडिया और पत्रों के माध्यम से प्रसारित उस कथित प्रेस विज्ञप्ति और चेतावनी का खंडन किया है, जिसमें एक व्यक्ति द्वारा आत्मदाह करने की बात कही गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि संबंधित व्यक्ति का विभाग के साथ कोई आधिकारिक अनुबंध नहीं है।

मानसिक प्रताड़ना का आरोप

कथित ठेकेदार रजनीकांत ने एक पत्र के माध्यम से विभाग के अधिकारियों पर जल जीवन मिशन के कार्यों में भुगतान न करने, कमीशन की मांग करने और मानसिक प्रताड़ना देने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। पत्र में उल्लेख किया गया था कि 65 लाख रुपये के कार्य के विरुद्ध केवल 22 लाख रुपये का भुगतान किया गया है। इसी से क्षुब्ध होकर उन्होंने 30 मार्च 2026 को दोपहर 1:00 बजे पीएचई कार्यालय के समक्ष आत्मदाह करने की चेतावनी दी थी।

विभाग द्वारा जारी आधिकारिक पक्ष

कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खंड अम्बिकापुर द्वारा जारी स्पष्टीकरण के अनुसारः संबंधित उप-अभियंता और सहायक अभियंता से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर विभाग में रजनीकांत के नाम से कोई भी अनुबंध पंजीकृत नहीं है। जब विभाग के साथ कोई अनुबंध ही नहीं है, तो भुगतान लंबित होने या प्रताड़ना के आरोप पूरी तरह निराधार हैं। मामले की संवेदनशीलता और आत्मदाह की चेतावनी को देखते हुए, कार्यपालन अभियंता ने इस संबंध में उचित कार्यवाही हेतु आवश्यक सूचनाएं साझा की हैं, विभाग ने स्पष्ट किया है कि शासकीय कार्यों में पारदर्शिता बरती जा रही है और बिना किसी वैध अनुबंध के लगाए जा रहे आरोप केवल छवि धूमिल करने का प्रयास हैं।

टीआरटीआई के अधिकारियों-कर्मचारियों को संग्रहालयों के रख-रखाव हेतु आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, (टीआरटीआई) के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नवा रायपुर, अटल नगर, सेक्टर-24 परिसर में स्थापित ह्यह्यशहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय एवं जनजातीय संग्रहालय के रख-रखाव हेतु आपदा प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान की संचालक श्रीमती हिना अमिनेष नेताम सहित संस्थान के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। प्रशिक्षण होमगार्ड, सिविल डिफेंस, फायर एंड इमरजेंसी सर्विस एसडीआरएफ के सौजन्य से आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में एसडीआरएफ की दक्ष टीम द्वारा ह्यआपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया विषय पर सारगर्भित तकनीकी और अनुभविक जानकारी पुष्पराज सिंह के नेतृत्व में दीपक कौशिक एवं राकेश भोयर, सहायक उपनिरीक्षक के द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण पश्चात आपदा प्रबंधन के व्यवहारिक एवं प्रायोगिक पक्ष का प्रदर्शन संस्थान के खुले परिसर में किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार की आग आदि जैसी आपदा से तत्कालिक बचाव प्रतिक्रिया से समस्त अमलों और संग्रहालय भ्रमण हेतु आये आगंतुको एवं विद्यार्थियों द्वारा भी हैण्ड्स ऑन प्रेक्टिस की गई।

ड्रॉपआउट छात्रों के लिए झलक कार्यक्रम का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा संचालित सेकंड चांस प्रोग्राम के अंतर्गत कक्षा 10वीं की ओपन बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रही छात्राओं के लिए आज ब्लॉक लखनपुर में झलकह्व कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय हाई स्कूल के परीक्षा प्रभारी देवचन्द्र यादव एवं आशा एनजीओ से जगत बंधु साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों ने प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है। अतिथियों ने महिलाओं को 10वीं के बाद 12वीं की पढ़ाई पूरी करने तथा रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में छात्राओं एवं महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिससे उनके भीतर शिक्षा और कौशल विकास के प्रति बढ़ती जागरूकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

कायस्थ मंगल भवन का लोकार्पणः सामाजिक एकजुटता और विकास की नई पहल

कायस्थ समाज का देश-प्रदेश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदानः मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज चंदखुरी में कायस्थ मंगल भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कायस्थ समाज को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माता कौशल्या की पावन भूमि चंदखुरी में इस मंगल भवन का शुभारंभ होना पूरे समाज के लिए खुशी और गौरव का विषय है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कायस्थ समाज सदैव से एक प्रबुद्ध और जागरूक समाज रहा है, जिसने देश एवं प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन से लेकर सामाजिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में इस समाज की सक्रिय भूमिका रही है, जो प्रेरणादायी है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार द्वारा तैयार किए गए विजन डॉक्यूमेंट में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है और उन्हें विश्वास है कि कायस्थ समाज इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन इस बात का प्रतीक है कि जब समाज संगठित होकर कार्य करता है, तो बड़े से बड़ा लक्ष्य भी सहजता से प्राप्त किया जा सकता है। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर प्रदेश में कनेक्टिविटी के क्षेत्र में हो रहे विस्तार का उल्लेख करते हुए बताया कि आज अंबिकापुर से दिल्ली और कलकत्ता के लिए सीधी हवाई सेवा प्रारंभ की गई है, जिससे प्रदेशवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने बजट में सीजी वायु योजना का प्रावधान किया है, जिसके तहत छत्तीसगढ़ के सभी हवाई अड्डों का विकास किया जाएगा। साथ ही कार्गो सेवा भी प्रारंभ की गई है, जिससे किसान अपने उत्पाद राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक आसानी से पहुंचा सकेंगे। इस अवसर पर नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ मंगल भवन का निर्माण समाज की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता की पूर्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह भवन किसी एक समाज के लिए नहीं, बल्कि सर्व समाज के उपयोग के लिए बनाया गया है। यहां सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सकेगा, जिससे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को सुविधा मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह भवन आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा और क्षेत्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वी.वाय. हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. पूर्णेंदु सक्सेना ने कहा कि इस मंगल भवन का निर्माण पूरे समाज के सहयोग से संभव हुआ है और इसके लिए सभी लोग बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि माता कौशल्या की पावन भूमि पर इस भवन का निर्माण होना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है और यह भवन निश्चित रूप से शुभ कार्यों में उपयोगी सिद्ध होगा।

तरबूज किसानों को निर्यात बंद होने से 300 करोड़ से अधिक नुकसान का अनुमान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रदेश के किसानों को खाड़ी देशों में तरबूज के निर्यात पर ब्रेक लगने से बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। बेहतर उत्पादन और अंतरराष्ट्रीय बाजार से अच्छी कीमत की उम्मीद के बीच वैश्विक हालात, खासकर अमेरिका-ईरान तनाव के चलते निर्यात पूरी तरह प्रभावित हो गया है। इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ा है। प्रदेश से मुंबई और विशाखापत्तनम के जरिए संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और ओमान जैसे देशों में तरबूज भेजा जाता था, लेकिन अब निर्यात बंद होने से फसल स्थानीय मंडियों में ही अटक गई है। इससे बाजार में आपूर्ति बढ़ गई और कीमतों में भारी गिरावट आ गई है। इस वर्ष करीब 10 हजार एकड़ में तरबूज और 7 हजार एकड़ में खरबूज की खेती हुई है। रायपुर समेत कई जिलों में बड़े पैमाने पर उत्पादन हुआ।

राज्यपाल ने महावीर जयंती पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि भगवान महावीर ने मानवता के कल्याण के लिए सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य जैसे उच्च जीवन मूल्यों का संदेश दिया। उन्होंने समाज को अंधविश्वास, आडम्बर और कुरीतियों से दूर रहकर नैतिकता, करुणा और संयम का मार्ग अपनाने की प्रेरणा दी। भगवान महावीर के विचार आज भी समाज को शांति, सद्भाव और सहअस्तित्व की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर का अहिंसा का सिद्धांत विश्व में शांति और भाईचारे की स्थापना का सशक्त माध्यम है। उनके जीवन से हमें आत्मसंयम, अनुशासन और सरल जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। राज्यपाल डेका ने प्रदेशवासियों से भगवान महावीर के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा आपसी सद्भाव, सहिष्णुता और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का आह्वान किया।

अमेरिका-इज़राइल वर्सेस ईरान युद्ध विगत एक महीने से अपनी संपूर्ण विनाशकारी सैन्य शक्ति के साथ निरंतर जारी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 10 दिनों के लिए ईरान के ऊर्जा उपक्रमों पर विध्वंसकारी आक्रमण अंजाम नहीं देने का ऐलान किया है। भारत के सामने भी इस युद्ध ने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ये चुनौतियां आर्थिक भी हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी और मानवीय भी हैं। फिलहाल देश में पेट्रोल -डीजल का तो कोई तत्काल संकट नहीं है, किंतु कतर का लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन एकदम बंद हो जाने के कारण भारत में लिक्विड नेचुरल गैस और एलपीजी का संकट अवश्य उत्पन्न हो गया है। साफ है कि अब इस संकट का असर वैश्विक सप्लाई चेन, ऊर्जा आपूर्ति और बाजारों पर देखने को मिल रहा है। एकमात्र राहत यह है कि कुछ देशों के पास भंडार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत हैं, लेकिन अगर यह संघर्ष लंबा चला तो एशिया की अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। उधर, भारत के पांच राज्यों में होने वाले चुनाव के तहत इन मुद्दों को चुनावी रंग देकर लेकर विपक्ष लगातार मौजूदा सरकार को घेरने में लगा हुआ है, लेकिन फिलहाल केन्द्र सरकार ने अभी तक तो स्थिति को नियंत्रित किया हुआ है। क्या भारत इस संकट की स्थिति से उबर पाएगा, इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

ऊर्जा संकट की असली चुनौती अभी बाकी

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेशी मामलों के जानकार

अमेरिका द्वारा फिलहाल ईरानी तेल के निर्यात पर पाबंदी समाप्त कर देने का सबसे अधिक फायदा जिन देशों को भविष्य में उपलब्ध हो सकता है, उनमें भारत भी एक प्रमुख देश है। खाड़ी जंग प्रारंभ होने के बाद विश्व पटल पर एनर्जी मार्केट पर जबरदस्त संकट बढ़ गया है और अमेरिका द्वारा समुद्र में कार्गो जहाज में विद्यमान ईरानी तेल के निर्यात से यह विकट संकट कुछ कम हो सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत को अपनी आवश्यकता के 90 प्रतिशत पेट्रोल और डीजल के लिए अंतरराष्ट्रीय आयात पर निर्भर रहना पड़ता है।

ईरान के विरुद्ध इजराइल-अमेरिका द्वारा 28 फरवरी को प्रारंभ किया गया संयुक्त आक्रमणकारी युद्ध विगत एक महीने से अपनी संपूर्ण विनाशकारी सैन्य शक्ति के साथ निरंतर जारी है। यदि यह विनाशकारी युद्ध भविष्य में भी इसी गति से चलता रहा तो फिर पहले से आच्छादित हो चुका वैश्विक ऊर्जा संकट अत्यंत विकट और विकराल स्थिति में पहुंच जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले 5 दिनों के लिए और फिर 10 दिनों के लिए ईरान के ऊर्जा उपक्रमों पर विध्वंसकारी आक्रमण अंजाम नहीं देने का ऐलान किया है। साथ ही यह चेतावनी भी जारी की है कि यदि ईरान द्वारा भविष्य में खाड़ी देशों के ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर ईरान द्वारा आक्रमण किया जाता है तो फिर अमेरिका ईरान के गैस और तेल निर्माण के ठिकानों पर भयंकर आक्रमण अंजाम देगा और उसके तमाम ऊर्जा उपक्रमों को नष्ट कर देगा। साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने दावा पेश किया है कि ईरान के साथ युद्ध को खत्म करने के लिए शांति वार्ता निरंतर जारी है।

भारत पर भी पड़ रहा प्रभाव

युद्ध के कारणवश उत्पन्न हुई वैश्विक ऊर्जा संकट के चलते हुए भारत पर भी इसका जबरदस्त प्रभाव स्थापित हो गया है। फिलहाल भारत में पेट्रोल और डीजल का तो कोई तत्काल संकट उपस्थित नहीं हुआ है। भारत सरकार के अनुसार अभी दो महीनों का पेट्रोल और डीजल स्ट्रैटेजिक रिजर्व के तौर पर भारत के पास विद्यमान है। किंतु कतर का लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन एकदम बंद हो जाने के कारण भारत में लिक्विड नेचुरल गैस और एलपीजी का संकट अवश्य उत्पन्न हो गया है।

वैश्विक ऊर्जा संकट के मध्य एक शुभ समाचार आया कि अमेरिका ने ईरान के क्रूड ऑयल निर्यात पर आयद की गई अंतरराष्ट्रीय पाबंदी को अस्थाई तौर पर स्थूल कर देने का ऐलान किया है। अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स न्यूज को दिए गए साक्षात्कार में फरमाया है कि डोनाल्ड ट्रंप सरकार द्वारा फिलहाल समुद्र में खड़े हुए ईरान के तेल जहाज पर आयद पाबंदी में अस्थायी तौर पर ढील प्रदान करने का फैसला लिया है। से अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों बैरल तेल की सप्लाई प्रारंभ हो सकती है।

तेल के निर्यात पर पाबंदी हटी

इस युद्ध के कारण शिपिंग और क्रूड ऑयल निर्यात में उत्पन्न हुई गंभीर रुकावट की क्षतिपूर्ति भी हो सकती है। अमेरिका द्वारा फिलहाल ईरानी तेल के निर्यात पर पाबंदी समाप्त कर देने का सबसे अधिक फायदा जिन देशों को भविष्य में उपलब्ध हो सकता है, उनमें भारत भी एक प्रमुख देश है। खाड़ी जंग प्रारंभ होने के बाद विश्व पटल पर एनर्जी मार्केट पर जबरदस्त संकट बढ़ गया है और अमेरिका द्वारा समुद्र में कार्गो जहाज में विद्यमान ईरानी तेल के निर्यात से यह विकट संकट कुछ कम हो सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत को अपनी आवश्यकता के 90 प्रतिशत पेट्रोल और डीजल के लिए अंतरराष्ट्रीय आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। स्कॉट बेसेंट के अनुसार समुद्र में फिलहाल अभी 17 करोड़ बैरल तेल के कार्गो विद्यमान हैं। भले ही ईरानी क्रूड ऑयल की अंतरराष्ट्रीय बिक्री के लिए 10 से 15 दिनों तक छूट क्यों ना प्रदान की जा सकती है। अमेरिकन खरीदारों तक इसके पहुंच की मंजूरी प्रदान करने से क्रूड ऑयल सप्लाई की दिक्कतें कम होने और कीमतों को नियंत्रित करने में निश्चित तौर पर निर्णायक मदद मिल सकती।

चीन सबसे बड़ा खरीदार

इस कदम से ईरान का जो तेल चीन में जा रहा है, वो क्रूड ऑयल दूसरे एशियाई देशों की तरफ भी अपना रुख मोड़ सकता है। इससे चीन को बाजार दर पर तेल खरीदना पड़ सकता है। साथ ही भारत, जापान, मलेशिया, फिलिपींस आदि दक्षिण एशिया के देशों के लिए क्रूड ऑयल उपलब्ध हो सकेगा। चीन अभी तक ईरानी क्रूड ऑयल का सबसे बड़ा खरीदार रहा है। फिलहाल तो भारत की रिफाइनरियों ने समुद्र में विद्यमान कार्गो जहाजों पर लदे हुए लाखों बैरल रूसी क्रूड ऑयल को ही खरीदा है। खाड़ी देशों से आयातित होने वाले क्रूड ऑयल का अधिकांश हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। फिलहाल युद्ध के जारी रहते हुए होर्मुज स्ट्रेट से कार्गो जहाजों की आवाजाही अत्यंत बाधित हो चुकी है। 2018 में ईरान पर सख्त अंतरराष्ट्रीय पाबंदियां आयद किए जाने से पहले तक भारत द्वारा कुल आयातित क्रूड ऑयल का तकरीबन 15 प्रतिशत हिस्सा ईरान से आयात किया जाता था। अमेरिकन वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के मुताबिक इस वक्त तकरीबन ईरान का 17 करोड़ बैरल क्रूड ऑयल समुद्र में कार्गो शिप्स पर विद्यमान है। ईरान का यह समस्त तेल पहले से अनुबंधों से कदाचित बंधा हुआ नहीं है। ईरानी क्रूड ऑयल का एक हिस्सा इस समय विक्रय के लिए तैयार है। अगर अमेरिका द्वारा इन पाबंदियों को ढीला कर दिया जाता है अथवा उनका शक्ति से पालन नहीं होता तो फिर इस क्रूड ऑयल की अतिरिक्त सप्लाई अंतरराष्ट्रीय मार्केट में आ सकती है। उल्लेखनीय है कि भारतीय रिफाइनरियां ईरानी तेल को अपने सिस्टम में लाने के लिए सक्षम रही हैं और उसके प्रोसेसिंग के लिए बहुत कम ऑपरेशन बदलाव की आवश्यकता होगी। भारतीय रिफाइनरियों के पास पहले से ही ईरानी क्रूड ऑयल को प्रोसेस करने का बाकायदा अनुभव और तकनीक उपलब्ध रही है।

रिफाइन तेल निर्यात जारी

देखा जाए तो विश्व पटल पर भारत वस्तुतः क्रूड ऑयल को रिफाइन करने वाला सबसे बड़ा चौथा देश है। क्रूड तेल और गैस सप्लाई में विकेट बाधाओं का सामना करते हुए भी भारत ने चीन की तरह रिफाइन तेल के अंतरराष्ट्रीय निर्यात पर रोक आयद नहीं की है। हालांकि भारत के समक्ष भी ऊर्जा संकट की कड़ी चुनौतियां विद्यमान हैं। फिलहाल तो भारत के सामने पेट्रोल-डीजल की समुचित सप्लाई का कोई तत्कालीन संकट उपस्थित नहीं है, किंतु युद्ध जारी रहता है तो फिर भारत में पेट्रोल और डीजल की सप्लाई पर विकट संकट का सामना करना पड़ सकता है। ईरान पर आयद पाबंदियों को ढीला करने के लिए अमेरिका के वित्त मंत्री के ऐलान को अमलीजामा पहनाने में अभी और वक्त लग सकता है, क्योंकि उनके ऐलान पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कोई स्पष्ट ऐलान नहीं किया गया है।

तथ्यात्मक मुद्दों पर वोट करें मतदाता

जागरूकता

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

आगामी कुछ दिनों में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, जिसको लेकर पक्ष-विपक्ष पूरी ताकत लगाकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। इन चुनावों में सत्ता पक्ष के लिए चुनौती थोड़ी ज्यादा इसलिए बढ़ी हुई है, चूंकि इस समय ऊर्जा संकट को लेकर माहौल बना हुआ है। अब सवाल यही है कि क्या विपक्ष धरातल व तथ्यात्मक मुद्दों के साथ ऊर्जा संकट का तड़का लगाकर सत्ता पक्ष को घेरता है और वहीं इसके विपरीत सत्ता पक्ष यह बताने में सार्थक हो पाता है कि सब ठीक है।

संसाधनों की मांग बढ़ी

जैसा कि मिडिल ईस्ट तनाव की वजह से देश में ऊर्जा संकट के दौरान बिजली, कोयला, पेट्रोल, या गैस जैसे ऊर्जा संसाधनों की मांग उनकी कुल आपूर्ति से थोड़ी अधिक हो गई। इसकी वजह से ईंधन की कमी के कारण उद्योग, परिवहन, और घरेलू उपयोग की चीजों पर थोड़ा प्रभाव पड़ गया है और यदि यह प्रकरण लंबा चला तो स्थिति थोड़ी चिंताजनक हो सकती है। इन मुद्दों को चुनावी रंग देकर लेकर विपक्ष लगातार मौजूदा सरकार को घेरने में लगा हुआ है, लेकिन फिलहाल केन्द्र सरकार ने अभी तक तो स्थिति को नियंत्रित किया हुआ है। इस मामले को लेकर जनता को यह समझना होगा कि यह कोई स्थायी समस्या नहीं है और यह आज नहीं तो कल खत्म हो जाएगी, लेकिन वोट देने वाले लोगों को यह समझना होगा कि वह अपने उन मुद्दों पर वोट करें, जिससे वह पांच सालों से संतुष्ट या असुंष्ट रहे हैं। जनता को यह भी समझना होगा कि यह एक वैश्विक स्तर की आपदा है।

उम्मीदवार की ईमानदारी, उसकी विचारधारा और उसके द्वारा किए गए वादों की व्यावहारिकता पर बहुत कुछ निर्भर करता है, चूंकि कहीं ऐसे नेता भी होते हैं जो पार्टी में रहते हुए उस विचारधारा के विपरित होते हैं।

विश्व पटल पर प्रयास

इसके निवारण के लिए विश्व पटल पर प्रयास भी किया जा रहा है और यदि इस वजह से कुछ समय की लिए देश गति धीमी अर्थात महंगाई बढ़ना या संसाधनों में कमी भी आ जाती है तो इस मुद्दे को लेकर वोट करने पर अपनी विचारधारा न बांधें चूंकि आप जिन मुद्दों को बीते पांच वर्षों से गहनता के साथ समझ रहे हैं, चाहे वो सकारात्मक हो या नकारात्मक उस पर अपनी विचारधारा के साथ अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। जनता को वोट डालते समय अपनी तरक्की, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, और स्थानीय विकास जैसे सड़क, बिजली, पानी के मुख्य मुद्दों को मद्देनजर रखते हुए अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। उम्मीदवार की ईमानदारी, उसकी विचारधारा और उसके द्वारा किए गए वादों की व्यावहारिकता पर बहुत कुछ निर्भर करता है, चूंकि कहीं ऐसे नेता भी होते हैं जो पार्टी में रहते हुए उस विचारधारा के विपरित होते हैं, लेकिन अपनी क्षेत्रीय जनता के लिए काम बहुत बेहतर करते हैं। इन चुनावों में कई मौजूदा मुख्यमंत्रियों के लिए भी यह मुकाबला ऐतिहासिक साबित हो सकता है। ममता बनर्जी चौथी बार लगातार सत्ता में लौटने का लक्ष्य लेकर मैदान में हैं।

लगातार जनादेश पाने की कोशिश

वहीं, एम के स्टालिन दूसरी बार लगातार जनादेश पाने की कोशिश कर रहे हैं। हेमंत बिसवा भी असम में दूसरी बार सरकार बनाने की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि पिनाराई विजयन केरल में लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने का रिकॉर्ड बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वैसे तो हर राज्य का चुनाव महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल का चुनाव पक्ष-विपक्ष के लिए वर्चस्व की लड़ाई मानी जाती है। जैसा कि पश्चिम बंगाल का चुनाव फिर से हर बार की तरह मुद्दों से कहीं परे होगा। यहां का चुनाव तो भारत-पाकिस्तान के मैच की तरह रोमांच बनाता है। चूंकि यहां की जनता के मस्तिष्क में पार्टियों ने मुद्दों के अलावा केवल वजूद की लड़ाई को भर रखा है।

बहरहाल, हर मतदाता को अपनी सूझबूझता के साथ गुणवत्ता के आधार पर अपने मत का प्रयोग करना चाहिए और यह समझना चाहिए कि केंद्र में बैठी सरकार को अपने देश की चिंता होती है। वह हर स्थिति में संतुलन बनाए रखने का प्रयास करती है। वहीं, जनता को भी समझना होगा कि विषम परिस्थितियों में धैर्य और विश्वास ही काम आता है।

तंगी है पर घरेलू भंडारण से उम्मीद

चिंतन

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

दुनिया का तेल भंडार, जिसे हम तेल रिजर्व कहते हैं, वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था और अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार है। यह कच्चा तेल यानी क्रूड ऑयल जमीन के अंदर, खासकर समुद्री सतह के नीचे पाया जाता है। इसका निर्माण लाखों-करोड़ों वर्षों में समुद्री जीवों और वनस्पतियों के अवशेषों पर दबाव और तापमान के प्रभाव से होता है। यही कारण है कि तेल एक सीमित प्राकृतिक संसाधन माना जाता है। तेल रिजर्व के काम को तीन मुख्य चरणों में समझा जा सकता है- खोज, उत्पादन और भंडारण। सबसे पहले वैज्ञानिक आधुनिक तकनीकों, जैसे सिस्मिक सर्वे के जरिए यह पता लगाते हैं कि जमीन के नीचे तेल कहां मौजूद हो सकता है। इसके बाद ड्रिलिंग यानी कुओं की खुदाई करके कच्चा तेल बाहर निकाला जाता है।

उन्नत तकनीक और भारी निवेश की जरूरत

यह प्रक्रिया काफी जटिल और महंगी होती है, जिसमें उन्नत तकनीक और भारी निवेश की जरूरत होती है। निकाले गए कच्चे तेल को रिफाइनरियों में भेजा जाता है, जहां उसे पेट्रोल, डीजल, केरोसिन और अन्य उपयोगी उत्पादों में बदला जाता है। लेकिन केवल उत्पादन ही पर्याप्त नहीं होता। हर देश भविष्य की जरूरतों और आपात स्थितियों को ध्यान में रखते हुए तेल का भंडारण भी करता है, जिसे स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व यानी एसपीआर कहा जाता है। अमेरिका, चीन और भारत जैसे बड़े देश अपने-अपने स्तर पर बड़े पैमाने पर तेल का भंडारण करते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि यदि युद्ध, प्राकृतिक आपदा या आपूर्ति में बाधा जैसी स्थिति उत्पन्न हो, तो देश को ऊर्जा संकट का सामना न करना पड़े। भारत ने भी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। दक्षिण भारत के विशाखापत्तनम, बेंगलुरु और पादुर जैसे स्थानों पर रणनीतिक तेल भंडार विकसित किए गए हैं। ये भंडार आपात स्थिति में देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सहायक साबित होते हैं।

तेल रिजर्व संकट के समय मजबूत 'बफर' का काम करते हैं। यदि वैश्विक स्तर पर आपूर्ति और नीतियां संतुलित रहें, तो इनकी मदद से कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

घरेलू भंडारण क्षमता काफी मजबूत

यह भी स्पष्ट है कि भारत की घरेलू भंडारण क्षमता पहले की तुलना में काफी मजबूत हुई है। इसके साथ ही, भारत का सीमित घरेलू उत्पादन और विभिन्न देशों के साथ अच्छे संबंधों के चलते कच्चे तेल का आयात भी संतुलित बना हुआ है। यही कारण है कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश की ऊर्जा स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है। तेल रिजर्व केवल ऊर्जा आपूर्ति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका सीधा असर वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी कारण से तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो कीमतों में तेजी से वृद्धि होती है। ऐसे समय में देश अपने रणनीतिक भंडार से तेल जारी करके बाजार में आपूर्ति बढ़ाते हैं, जिससे कीमतों के अत्यधिक बढ़ने को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

बाजार को स्थिर रखने की कोशिश

हाल के युद्ध जैसे हालात जैसे ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच तनाव ने एक बार फिर यह दिखाया है कि तेल रिजर्व कितने महत्वपूर्ण हैं। भारत सहित कई देशों ने अपने भंडार का उपयोग कर बाजार को स्थिर रखने की कोशिश की है। केंद्र सरकार का दावा है कि देश में पेट्रोल और डीजल का लगभग 60 दिनों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, जो किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि तेल रिजर्व एक स्थायी समाधान नहीं हैं। इनकी मात्रा सीमित होती है और लंबे समय तक संकट रहने पर इनका असर कम हो सकता है। इसके अलावा, तेल की कीमतें काफी हद तक तेल उत्पादक देशों के संगठन, ओपेक की नीतियों पर भी निर्भर करती हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि तेल रिजर्व युद्ध और संकट के समय एक मजबूत 'बफर' का काम करते हैं। यदि वैश्विक स्तर पर आपूर्ति और नीतियां संतुलित रहें, तो इनकी मदद से कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

पश्चिम एशिया युद्ध अर्थव्यवस्था पर बढ़ाएगा दबाव

चुनौती

रवि शंकर

स्वतंत्र स्तंभकार

अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इसका असर अब एशियाई देशों पर साफ दिखने लगा है। एशिया के ज्यादातर देश तेल और गैस के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर हैं, इसलिए सप्लाई में रुकावट आते ही कीमतें बढ़ गई हैं। इसका सीधा असर इन देशों के खर्च, व्यापार और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

ऊर्जा की कीमतें बढ़ना सिर्फ पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहता। इसका असर ट्रांसपोर्ट, बिजली, खेती और खाने-पीने की चीजों तक पहुंचता है। गैस की कमी से फर्टिलाइजर उत्पादन प्रभावित होता है, जिससे खेती महंगी हो जाती है और फूड प्राइस बढ़ने लगते हैं। ऐसे में तेल की कीमत बढ़ते ही आम आदमी की जेब पर सीधा असर पड़ता है। इस संकट का असर एक नहीं, बल्कि चार बड़े चैनलों से एशिया तक पहुंच रहा है। पहला, तेल और गैस के आयात महंगे हो रहे हैं। दूसरा, ट्रांसपोर्ट और हवाई यात्रा बाधित हो रही है, जिससे टूरिज्म पर असर पड़ रहा है।

तीसरा, पश्चिम एशिया से आने वाली रेमिटेंस में कमी का खतरा है। और चौथा, वित्तीय बाजारों में डर बढ़ रहा है, जिससे निवेश कम हो सकता है। इन चारों का संयुक्त असर अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ सकता है। पश्चिम एशिया में उभरे इस संकट से भारत भी अछूता नहीं। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिमी एशिया में उपजे संकट पर लोकसभा में बात रखी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बढ़ता तनाव वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम लोगों के जीवन पर प्रतिकूल असर डाल रहा है, जिसका प्रभाव भारत पर भी पड़ सकता है।

साफ है कि अब इस संकट का असर वैश्विक सप्लाई चेन, ऊर्जा आपूर्ति और बाजारों पर देखने को मिल रहा है। बता दें, भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है। यह आपूर्ति मुख्यतः खाड़ी देशों से ही होती है। इस आयात का ज्यादातर हिस्सा केवल एक अस्थिर क्षेत्र यानी पश्चिम एशिया से आता है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में किसी भी रुकावट को नीति निर्माताओं और तेल कंपनियों के लिए तत्काल चिंता का विषय बना देता है। फिर भी, भारत के ऊर्जा योजनाकारों का तर्क है कि 1970 दशक के खाड़ी संकटों की तुलना में आज देश ऐसी बाधाओं से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है। पिछले कुछ वर्षों में भारत किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए जानबूझकर अपनी कच्चे तेल की स्रोत रणनीति में विविधता लाया है। भारत के लिए खाड़ी क्षेत्र भविष्य के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है।

इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं। इन देशों से आने वाला तेल जामनगर, वडीनार और पारादीप जैसे भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचने से पहले होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। ऐसे में इस जलमार्ग के लंबे समय तक बंद रहने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार संतुलन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। भारत के सामने भी इस युद्ध ने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

ये चुनौतियां आर्थिक भी हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ी हैं और मानवीय भी हैं। कुल मिलाकर, यह संकट एशिया के लिए एक डबल झटका बनकर सामने आ रहा है। एक तरफ महंगी ऊर्जा और बढ़ती महंगाई, और दूसरी तरफ धीमी होती आर्थिक ग्रोथ। दुनिया के कई ऐसे देश हैं, जहां इस संकट का असर दिखना शुरू हो गया है। एकमात्र राहत यह है कि कुछ देशों के पास भंडार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत हैं लेकिन अगर यह संघर्ष लंबा चला, तो एशिया की अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है।

रणनीतिक स्वायत्तता की परीक्षा

ऐसे में पश्चिम एशिया का संकट केवल विदेश नीति की चुनौती नहीं है, बल्कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की एक व्यापक परीक्षा है, जो ऊर्जा, खाद्य, समुद्री क्षेत्र, प्रवासी समुदाय और आर्थिक सुरक्षा के बीच गहरे अंतर्संबंधों को उजागर करती है। इससे मिलने वाला स्थायी सबक यह है कि लचीलापन बार-बार आने वाले झटकों से निपटने में नहीं, बल्कि विद्युतीकरण, विविधीकरण, घरेलू क्षमता निर्माण और दीर्घकालिक रणनीतिक दूरदर्शिता के माध्यम से बाहरी निर्भरता को व्यवस्थित रूप से कम करने में निहित है।

वस्तुओं-सेवाओं पर आर्थिक मार से आम आदमी त्रस्त

दृष्टिकोण

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र पत्रकार

यह कठोर सत्य है कि विज्ञान, प्रगति, तकनीक तथा आधुनिकता की अति ने लोगों व देशों के मतभेदों को भयंकर वैश्विक युद्धों में परिवर्तित कर दिया है। इजराइल और ईरान के मध्य लगभग एक महीने से युद्ध हो रहा है। अमेरिका भी इजराइल की ओर से युद्धरत है। युद्धक प्रक्षेपास्त्रों द्वारा हो रहे हमलों के कारण इजराइल, ईरान तथा अमेरिकी सैन्य संरचनाओं व अन्य संसाधनों को अपने यहां स्थापित करने वाले खाड़ी के देशों सऊदी अरब, यूएई, कतर, बहरीन, इत्यादि में हजारों लोग मर चुके हैं। हजारों की संख्या में बुरी तरह घायल हैं।

इन सभी देशों के महत्वपूर्ण शासकीय भवन, आवासीय परिसर तथा तेल व गैस की संरचनाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। लाखों मानवों के सामने भूख-प्यास से पीड़ित होते हुए दीर्घ विस्थापन का संकट पसर चुका है। इन देशों में अब तक चली आ रही जीवन की सामान्य गतिविधियां ठप हैं। अमेरिकी मिसाइलों द्वारा ईरान के परमाणु संवर्द्धन स्थलों, तेल-गैस की संरचनाओं तथा अन्य महत्वपूर्ण व्यावसायिक ठिकानों पर किए गये अनेक हमलों के कारण ईरान के माध्यम से यूरोप व एशिया को होने वाली तेल-गैस की आपूर्ति तात्कालिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि आगामी दिनों-महीनों के लिए भी बाधित हो गई है।

हालांकि वैश्विक तेल आपूर्ति में ईरान की हिस्सेदारी लगभग दो या तीन प्रतिशत है, किंतु दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पहुंचने वाला बीस प्रतिशत कच्चा तेल व द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) ईरान, ओमान व संयुक्त अरब अमीरात की समुद्री सीमाओं के रास्ते होकर पहुंचता है। ईरान पर दशकों से लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत भी अपनी आवश्यकता का तेल व गैस रूस और इराक से खरीद रहा था, लेकिन भारत तक जो भी 40 प्रतिशत कच्चा तेल व 54 प्रतिशत से अधिक एलएनजी आती है, उसका आयात संकरे होर्मुज मार्ग से ही संभव हो पाता है। भूमध्य सागर की इस समुद्री पारिस्थितिकी के एक माह तक युद्ध में फंसे होने के कारण, दुनिया को निर्यात होने वाला तेल-गैस ठप हो गया था। अब, जब अमेरिका से लेकर भारत, चीन से लेकर रूस तथा यूरोप से लेकर पश्चिम व पूरे एशिया क्षेत्र में तेल-गैस की सुचारू आपूर्ति बाधित होने से, अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में ठहराव के गंभीर संकेत मिलने लगे हैं तो अमेरिका के नेतृत्व में युद्ध को रुकवाने की कोशिशें होने लगी हैं। हालांकि युद्ध को रोकने के लिए पूरी दुनिया के प्रमुख देश प्रयास तो कर ही रहे थे, किंतु जिन देशों के अस्त्र-शस्त्र विनिर्माताओं व कारोबारियों के कारोबारी हित युद्ध को चलाये रखने के साथ जुड़े हुए थे, एक महीने तक उनके हथियारों की युद्धक खपत के बाद अर्थात युद्ध की बदौलत चलने वाले उनके कारोबारी फायदे के बाद, अब तेल-गैस की आपूर्ति बाधित होने से होने वाले अखिल वैश्विक नुकसान की समीक्षा होने लगी है।

युद्ध के आलोक में भारत को देखें तो देश में तेल-गैस के क्षेत्र में कुछ सीमा तक आत्मनिर्भर होने के बाद भी, अभी भी, बड़ी मात्रा में हम आयात पर ही निर्भर हैं।

वैश्विक ग्राम में परिवर्तित दुनिया के शीर्ष दस देशों की अर्थव्यवस्था की चमक केवल युद्ध होते रहने से नहीं बढ़ेगी। उत्तर आधुनिक काल के जीवन की सामान्य दैनिक गतिविधियों के बल पर ही यह चमक बढ़ेगी, इसलिए अब विशेषकर अमेरिका की ओर से युद्ध थामने की कोशिशें होने लगी हैं। यदि युद्ध के आलोक में भारत को देखें तो पूरी दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाले इस देश में तेल-गैस के क्षेत्र में कुछ सीमा तक आत्मनिर्भर होने के बाद भी, अभी भी, बड़ी मात्रा में हम आयात पर ही निर्भर हैं, जो होर्मुज के युद्ध प्रभावित होने से एक माह की अवधि तक पिछड़ गई है। ऐसे में भारत के आम आदमी के सामने अनेक समस्याएं उभर रही हैं। तेल-गैस की सामान्य आपूर्ति नहीं हो पा रही। युद्धावधि के दौरान घरेलू व व्यावसायिक गैस की कीमतें भी बढ़ गई थीं। आगामी दिनों में भी कीमतें बढ़ सकती हैं। उद्योग आधारित अर्थव्यवस्था में तेल-गैस प्रमुख भूमिका में हैं। इनकी आपूर्ति में बाधा के कारण उद्योग, व्यापार में ठहराव है। परिवहन क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित है। आधुनिक जीवन व्यवस्था में एक वस्तु की आपूर्ति में संकट उत्पन्न होने से अनेक अन्य वस्तुओं-सेवाओं का व्यापार अवश्य प्रभावित होता है।

तेल व गैस मुख्य पांच आवश्यकताओं में शामिल हैं। भविष्य में ऐसे किसी भी संकट का सामना करने के लिए देश को ऊर्जा, ईंधन के क्षेत्र में पूर्णतः आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता है। भारत के शासनतंत्र में विपक्ष की भूमिका, वैश्विक युद्धों तथा प्राकृतिक संकटों की पुनरावृत्ति के बाद भी नागरिकों के प्रति दायित्वबोधी नहीं हो पा रही है। विपक्ष के कारण भारतीय लोकतंत्र के प्रति अधिसंख्य संवेदनशील नागरिकों में मौन गंभीर विद्रोह पसर रहा है।

खबर संक्षेप

देवबंद में होटल पर फायरिंग, तोड़फोड़

सहारनपुर। जिले के देवबंद में स्टेट हाइवे स्थित वीआईपी रोज होटल पर रविवार तड़के बाइक सवार युवकों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई। फायरिंग के दौरान होटल कर्मचारियों ने कमरों में छिपकर अपनी जान बचाई। गोलियां लगने से होटल के शीशे चकनाचूर हो गए।

गाजियाबाद में ऑयल फैक्ट्री में आग का तांडव

गाजियाबाद। साउथ साइड जीटी रोड इंडस्ट्रियल एरिया स्थित आजाद ऑयल एक्सपेलर फैक्ट्री में रविवार दोपहर अचानक भीषण आग लग गई। फैक्ट्री में तेल, कच्चा माल और पैकिंग के गत्ते बड़ी मात्रा में रखे होने के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर से दिखाई दे रहा था।

आद्रा रेलमंडल की 6 ट्रेनें 5 अप्रैल तक रद्द

चक्रधरपुर। आद्रा रेल मंडल में 31 मार्च से लेकर 5 अप्रैल तक रेल प्रशासन रोलिंग ब्लॉक लेकर रेल लाइन को दुरुस्त करने का कार्य करेगी। दक्षिण पूर्व रेलवे ने 6 ट्रेनों का परिचालन विभिन्न तिथियों में रद्द करने की घोषणा कर दी है। रेलवे ने 2 ट्रेनों को गंतव्य से पहले ही शोर्ट टर्मिनेशन और शोर्ट ओरिजिनेशन कर चलाने का फैसला किया है।

अल्मोड़ा में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी,2 युवकों की मौत

अल्मोड़ा। तहसील देघाट के ग्राम चिन्तोली में रविवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। ग्राम प्रहरी चंदन सिंह ने घटना की सूचना थाना देघाट को दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने देशवासियों को किया संबोधित

हमारे पड़ोस में भीषण युद्ध चल रहा, लोग अफवाहों से बचें और संयम बनाए रखें

कांग्रेस दुष्प्रचार कर जान खतरे में डाल रही

इस दौरान 'एक पेड़ मां के नाम' और प्रेरक प्रयासों का जिक्र भी किया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मासिक रेडियो प्रोग्राम 'मन की बात' के 132वें एपिसोड को संबोधित किया। पीएम मोदी ने इस एपिसोड की शुरुआत में मिडिल ईस्ट तनाव और ऊर्जा संकट का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान ऊर्जा संकट की स्थिति में भारत डटकर इसका मुकाबला कर रहा है।पीएम मोदी ने कहा हम सभी की अपेक्षा थी कि कोरोना के संकट से निकलने के बाद दुनिया एक नए सिरे से प्रगति की राह पर आगे बढ़ेगी। लेकिन वर्तमान काल में दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों में युद्ध और संघर्ष की स्थिति बनती चली गई है। हमारे पड़ोस में एक माह से भीषण युद्ध चल रहा है। खाड़ी देशों का आभार जताते हुए कहा कि हमारे लाखों परिवारों के सगे- संबंधी इन देशों में रहते हैं, खासतौर पर खाड़ी देशों में काम करते हैं। मैं गल्फ देशों का आभारी हूं कि वे ऐसे एक करोड़ से ज्यादा भारतीयों को वहां पर हर प्रकार की मदद दे रहे हैं। दुनियाभर में पेट्रोल-डीजल को लेकर संकट की स्थिति बनती जा रही है।

इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए

पीएम मोदी ने बताया कि भारत ऊर्जा संकट का मुकाबला कर रहा है। उन्होंने देश के लोगों से एकजुटता की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारे वैश्विक संबंध, अलग-अलग देशों से मिल रहा सहयोग और पिछले एक दशक में जो देश का सामर्थ्य बना है, इनकी वजह से भारत इन परिस्थितियों का डटकर मुकाबला कर रहा है। यह चुनौतीपूर्ण समय है। सभी देशवासियों से आग्रह करूंगा कि एकजुट होकर उस चुनौती से बाहर निकलना है। जो लोग इस विषय पर भी राजनीति कर रहे हैं, उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। यह देश का सवाल है।

लोगों के जज्बे को सराहा

मोदी ने वाराणसी में हुए एक प्रेरक प्रयास का जिक्र किया। वहां सिर्फ एक घंटे में 2 लाख 51 हजार से अधिक पौधे लगाए गए और इस प्रयास ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस काम की सबसे खास बात यह थी कि हजारों लोग एक साथ जुड़े। छात्र, जवान, स्वयंसेवी संगठन और विभिन्न संस्थाओं ने मिलकर इसे संभव बनाया। यह जनभागीदारी का स्वरूप पहले से ही 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में दिखाई देता है। इस अभियान के तहत पूरे देश में करोड़ों पेड़ लगाए गए हैं।

शुगर और तेल का इस्तेमाल कम करें

प्रधानमंत्री ने कहा,जीवनशैली और खानपान में थोड़ा बदलाव करने से कई बीमारियों से बचाव में मदद मिल सकती है।खाने में शुगर व तेल की कटौती और रोजाना व्यायाम सबसे अहम है। पीएममोदी ने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

साइंस एजुकेशन में नवाचार को सराहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक पुरानी कहावत है 'करत करत अभ्यास के, जड़मत होत सुजान' यानी हम जब निरंतर अभ्यास करते हैं तो उतनी ही ज्यादा बुद्धिमत्ता हासिल करते जाते हैं। लोग भी सबसे बेहतर तब सीखते हैं जब उनकी सक्रिय भागीदारी होती है। उन्होंने बताया कि उन्हें बेंगलुरु में शिक्षा से जुड़े एक अनोखे प्रयास के बारे में जानकारी मिली है। यहां एक टीम प्रयोग शिक्षा अनुसंधान संस्थान चला रही है। इस टीम का रिसर्च प्रोजेक्ट्स पर विशेष फोकस है। यह टीम स्कूल लेवल पर साइंस एजुकेशन को पॉपुलर बनाने में जुटी है। उन्होंने 'अन्वेषण' नाम का एक प्रयोग किया है।

जल संरक्षण पर भी दिया जोर

पीएम मोदी ने देशवासियों से जल संरक्षण को लेकर जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि गर्मियों की शुरुआत हो चुकी है और यह समय जल संरक्षण के संकल्प को दोहराने का है। पीएम मोदी ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में 'जल संचय अभियान' ने देशभर में लोगों को जल संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया है। इस अभियान के तहत करीब 50 लाख कृत्रिम जल संचयन संरचना बनाए गए हैं।कई स्थानों पर पुराने तालाबों की सफाई की जा रही है और बरसात के पानी को सहेजने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। मोदी ने बताया कि अमृत सरोवर अभियान के तहत देशभर में लगभग 70 हजार अमृत सरोवर बनाए गए हैं। मोदी ने कहा कि त्रिपुरा की जंपुई पहाड़ियों में स्थित वांगमुन गांव 3000 फीट की ऊंचाई पर बसा है। गांव वालों ने बारिश के पानी को सहेजने का संकल्प लिया।

फिटनेस और स्वास्थ्य पर ध्यान दें, दुआ को किया याद

प्रधानमंत्री ने देशवासियों से फिटनेस और स्वास्थ्य पर ध्यान देने का आग्रह किया। अफ्रीका के जिबूती में अल्मिस जी अरविंद योग सेंटर के माध्यम से योग को बढ़ावा दे रहे हैं। वे लोगों को योग सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि इंस्टाग्राम कंटेंट क्रिएटर युवराज दुआ की पोस्ट पर उनके पिता के शुगर सेवन को कम करने पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

तेलंगाना विधानसभा में हंगामा

बीआरएस के 24 विधायक दो दिन के लिए निलंबित

एजेंसी ⏭ हैदराबाद

तेलंगाना विधानसभा में सोमवार को भारी सियासी ड्रामा देखने को मिला। सदन की कार्यवाही में लगातार बाधा डालने और हंगामा करने के आरोप में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 24 विधायकों को दो दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है। इस निलंबन के बाद विपक्षी दल ने सरकार पर लोकतंत्र का गला घोंटने का आरोप लगाया है।

भ्रष्टाचार और अवैध खनन के आरोप पर भिड़े

पूरे विवाद की जड़ सूबे के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी पर लगे कथित भ्रष्टाचार और अवैध खनन के आरोप हैं। सोमवार को सदन की कार्यवाही शुरू हुई। मुख्य विपक्षी दल बीआरएस के विधायक इस मुद्दे को लेकर आक्रामक हो गए। विपक्षी सदस्यों ने मांग की कि इन आरोपों की जांच के लिए 'हाउस कमेटी' बनाई जाए। विपक्षी दल ने इस मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव लाने की भी कोशिश की। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने इसे सिरे से खारिज कर दिया।

लखीमपुर खीरी में दर्दनाक हादसे

2 मां और 2 बच्चों की मौत चारों को ट्रकों ने कुचल दिया

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए 2दर्दनाक सड़क दुर्घटनाओं में कुल 4लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इन घटनाओं के बाद इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है।

डीसीएम ने ईरिक्शा में टक्कर मारी

डीसीएम लेकर भागने के प्रयास में ईरिक्शा में टक्कर मार दी। जिससे ई रिक्शा में सवार चालक समेत 5 लोग घायल हो गए। पठान पुरवा निवासी इसराइल अपनी पत्नी शाहमीन और तीन बेटियों के साथ बाइक से नीमगांव अपने मामा के यहां शादी समारोह में जा रहे थे। इसराइल ने बताया वह लखीमपुर मोहम्मदी मार्ग स्थिति राजेपुर गांव का पास पहुंचे थे।

सरकार का दावा-उपलब्धता में हो रहा सुधार

देश में 6,000 पीएनजी ग्राहकों ने छोड़ा एलपीजी का कनेक्शन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

करीब 6,000 पीएनजी ग्राहकों ने एलपीजी कनेक्शन को छोड़ दिया है। इससे उन लोगों के लिए एलपीजी उपलब्धता में सुधार होगा, जिनके घरों के आसपास पीएनजी की सुविधा नहीं है। यह जानकारी पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सचिव नीरज मित्तल ने 'एक्स' पर दी। मित्तल ने पोस्ट में कहा कि शुक्रवार तक लगभग 6000 पीएनजी उपभोक्ताओं ने अपना एलपीजी कनेक्शन छोड़ दिया। उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद! सभी नागरिकों के इस मजबूत और

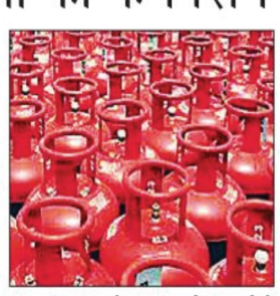

साहसी समूह में शामिल हों, जिन्होंने बिना पीएनजी वाले लोगों को एलपीजी दिलाने में मदद करने के लिए एलपीजी कनेक्शन का उपयोग बंद कर दिया है। उन्होंने अन्य लोगों से भी एलपीजी छोड़ने का आग्रह किया जिनके पास पीएनजी कनेक्शन हैं।

मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों को चेतावनी दी

उत्तराखंड व पहाड़ी राज्यों में गिरेगी बर्फ-बारिश

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

उत्तर पश्चिम भारत में अभी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। इसमें सोमवार को सबसे ज्यादा बारिश होगी। कश्मीर घाटी में बर्फबारी भी हो सकती है। उत्तर पश्चिमी भारत औरमध्य भारत के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि होने की संभावना है। इस हफ्ते के दौरान उत्तर पूर्वी और उससे सटे पूर्वी भारत में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ कहीं-कहीं से लेकर काफी बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है। एक अप्रैल के बीच उत्तर पूर्वी भारत में कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। इस हफ्ते के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ कहीं-कहीं बारिश का सिलसिला जारी रहेगा।

कुछ राज्यों में गरज-चमक के साथ ओले भी गिरेंगे

अकोला रहा सबसे गर्म

महाराष्ट्र, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, आंतरिक ओडिशा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी मध्य प्रदेश के कई स्थानों पर, राजस्थान, गुजरात क्षेत्र, तटीय आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, दक्षिणी केरल के कुछ स्थानों पर और राजस्थान, मध्य प्रदेश, ओडिशा, केरल में अधिकतम तापमान सीमा में रहा। अधिकतम तापमान 41.2 अकोला में दर्ज किया गया।

4 अप्रैल तक मौसम में रहेगा बदलाव

उत्तर पश्चिम भारत में 2 और 3 अप्रैल को जम्मू कश्मीर, लद्दाख, गिलगित बाल्टिस्तन, मुजफ्फराबाद में, 30 मार्च और फिर 3 और 4 अप्रैल को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में, 29-31 मार्च को उत्तराखंड में, काफी बड़े इलाके से लेकर बड़े इलाके तक हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है।

पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में हल्की से मध्यम बारिश संभावित

पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में कुछ जगहों से लेकर बिखरी हुई हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 30 मार्च को कश्मीर घाटी में कुछ जगहों पर भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, जम्मू कश्मीर, पश्चिमी राजस्थान,हिमाचल प्रदेश, पंजाब, पूर्वी राजस्थान, उत्तराखंड में कुछ जगहों पर ओले गिरने का अलर्ट जारी किया गया है।

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)
रा.प्र.क्र. ..../अ-20(1)/25-26
ईश्तहार
आगामी तिथि 24/04/2026

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता / संस्था / विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक अरूण कुमार चौबे आ. स्व. सुरेन्द्र नाथ चौबे, उम्र लगभग 55 वर्ष, जाति ब्राम्हण निवासी मेन रोड नावापारा सूरजपुर थाना व तहसील सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल भूमि प्लाट नम्बर 1893, 1894 रकबा क्रमशः 3918, 1302 वर्गफीट भूमि का लीज दिनांक 31.03.2026 को समाप्त होने से आगामी 30 वर्ष के लिए लीज नवीनीकरण कराये जाने हेतु अनुरोध मा. न्यायालय अपर कलेक्टर सूरजपुर के समक्ष किया गया है। जो अग्रिम कार्यवाही हेतु एतद् न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है। अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था / विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 24/04/2026 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 25.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
सूरजपुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि भोला प्रसाद पिता फूलचंद पासवान जाति दुसाध निवासी आसोला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम आसोला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 410/2, 410/3 रकबा 0.024, 0.009 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, पंचायत प्रस्ताव, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 07/04/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 30/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०./अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि रीता देवी पत्नी अयोध्या प्रसाद जाति सोनार निवासी असोला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम असोला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 342/5, 343/4 रकबा 0.019, 0.005 हे० भूमि को कृषि भिन्न व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 28/3/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा). अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि रंजीत सिंह पिता कामेश्वर सिंह जाति क्षत्रिय निवासी बौरीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम कांतिप्रकाशपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा 138/6 रकबा 0.018 हे० भूमि को कृषि भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 08/04/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं उच्चा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 30/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा) अम्बिकापुर

सूचना

(शिवधरन सिंह) में SHIVDHARAN SINGH (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी बुधराम सिंह गांव/शहर कनकपुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़ ने अपना SHIVDHARAN SINGH (पुराना नाम) से बदले कर SHIV DHARAN नाम (नया नाम) रख लिया है।

(शिव धरन)

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा (छ०ग०) //
ज्ञापन

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि लखनपुर उपसंभाग के अधीन ग्राम नवापारा / जुड़कानी तहसील लखनपुर जिला-सरगुजा में 33/11 के० व्ही० नवीन विद्युत उपकेन्द्र निर्माण हेतु भूमि खसरा नंबर 577/1 कुल रकबा 7.641 में 0.600 हेक्टेयर भूमि आबंटन हेतु उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति पेश करना हो तो वह दिनांक 06/04/2026 से पूर्व तक स्वंय या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

तहसीलदार
लखनपुर

गाजीपुर में गौ-तस्कर और पुलिस के बीच मुठभेड़

गाजीपुर जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 14 जनवरी 2026 को थाना करण्डा पुलिस टीम ने बड़ी कार्रवाई की। पुलिस और गौ-तस्करों के बीच हुई मुठभेड़ में एक तस्कर गोली लगने से घायल हो गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

सूचना

(दिकेश कुमार राय) DIKESH KUMAR RAY (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी DUEN ROY गाँव / शहर GANESHPUR तहसील LATORI जिला SURAJPUR छत्तीसगढ़ ने अपना नाम DIKESH KUMAR RAY (पुराना नाम) से बदल कर MUKESH ROY (नया नाम) रख लिया है।

(मुकेश राय)

सूचना

(जितेन्द्रा भाई पटेल) मैं JITHENDRA BHAI PATEL (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी.... RANBEER PATEL गांव / शहर PANSARA. तहसील WADRAINAGAR जिला BALRAMPUR छत्तीसगढ़ ने अपना नाम JITHENDRA BAI PATEL (पुराना नाम) से बदल कर. JEETENDRA BHAI PATEL (नया नाम) रख लिया है।

(जितेन्द्र भाई पटेल)

रेलवे डीटीएम को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से किया गया सम्मानित

विंध्य ज्योति

चोपन/सोनभद्र। चोपन के डीटीएम मोहम्मद तौसीफ उल्लाह को रेल मंत्री द्वारा अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर रेलकर्मियों में हर्ष का माहौल है। इस उपलब्धि पर ईसीआरईयू की एक टीम ने डीटीएम कार्यालय पहुंचकर उन्हें मुबारकबाद दी और हौसला अफजाई की। इस अवसर पर जोनल संयुक्त सचिव प्रवीण कुमार, चोपन शाखा अध्यक्ष संतोष दुबे, उपाध्यक्ष सतीश कुमार, कोषाध्यक्ष इंद्रजीत यादव तथा एआईएलआरएसए के शाखा सचिव जावेद अख्तर ने डीटीएम मोहम्मद तौसीफ उल्लाह को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि डीटीएम मोहम्मद तौसीफ उल्लाह ने न केवल धनबाद मंडल का नाम रोशन किया है, बल्कि कभी काला पानी कहे जाने वाले चोपन सेक्शन की छवि को भी राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। डीटीएम तौसीफ उल्लाह ने पुरस्कार का श्रेय सभी रेल कर्मचारियों को देते हुए कहा कि यह सम्मान टीमवर्क और सभी की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि में सभी रेलकर्मी बराबर के भागीदार हैं और आप सभी बधाई के पात्र हैं। यूनियन अध्यक्ष संतोष दुबे ने सभी रेल कर्मचारियों की ओर से डीटीएम को हार्दिक धन्यवाद देते हुए नववर्ष का कैलेंडर सप्रेम भेंट किया।

नशे के आदि चोरों का शहर में बढ़ा आतंक

पुलिस ने एक बालिग व दो नाबालिग चोरों को पकड़ा

छ.ग. फ्रंटलाइन पत्थलगांव। इन दिनों क्षेत्र में एक अजीब सा ट्रेंड चल पड़ा है, चोरी भी हो रही है और चोर भी वही पुराने, लेकिन अंदाज़ नया। शहर में नशे के आदी हो चुके कुछ बालिग और नाबालिग चोरों का आतंक ऐसा बढ़ा है कि लोग अब चोरी की खबर सुनकर हैरान नहीं, बल्कि पूछते हैं कि आज किसके यहां हाथ साफ हुआ?' बताया जा रहा है कि ये नाबालिग चोर अपनी कम उम्र को ढाल बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम देने में माहिर हो चुके हैं। शहर के कई लोग इन चोरों को रंगे हाथों पकड़कर पुलिस के हवाले कर चुके हैं, लेकिन नशे की लत और बेखौफ अंदाज़ ने इन्हें सुधरने का मौका ही नहीं दिया।

गोदाम से तांबा-एल्यूमिनियम गायब- ताजा मामला जशपुर रोड स्थित एक गोदाम का है, जहां कई दिनों से तांबा, एल्यूमिनियम और अन्य कीमती कबाड़ धीरे-धीरे गायब हो रहा था। पहले दुकानदार को लगा कि शायद हिसाब में गड़बड़ी है, लेकिन जब नजर रखी गई तो चोरी का पूरा खेल सामने आ गया। जांच में एक बालिग चोर फुकौ खान सहित दो नाबालिगों का नाम सामने आया, जिन्हें पुलिस ने पकड़ लिया।

पंडित जी की छत भी नहीं बची-चोरों की हिम्मत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जशपुर रोड स्थित शहर के एक विख्यात पंडित के घर की छत से भी सेंटरिंग प्लेट चोरी होने लगी। पूछताछ में इस चोरी को भी इन्हीं चोरों ने कबूल किया। दिलचस्प बात यह है कि कुछ महीने पहले भी ये नशे के आदी चोर पकड़े गए थे, लेकिन हर बार की तरह इस बार भी उनकी मासूमियत का कार्ड भारी पड़ता नजर आया।

नागरिकों की मांग चोर ही नहीं, खरीददार भी पकड़ो'- शहर के नागरिकों का कहना है कि ये चोर चोरी के सामान को औने-पौने दाम में बेच देते हैं और असली खेल वहीं से शुरू होता है। लोगों ने पुलिस से मांग की है कि चोरी का सामान खरीदने वालों पर भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। नागरिकों का साफ कहना है कि अगर खरीददारों पर शिकंजा कसा जाए, तो चोरी का बाजार अपने आप ठंडा पड़ जाएगा। लेकिन फिलहाल हालात ऐसे हैं कि चोर पकड़ में आ जाते हैं और खरीददार हर बार साफ बच निकलते हैं। पुलिस का तर्क है कि कई मामलों में प्रार्थी रिपोर्ट ही दर्ज नहीं कराते। मगर शहर के लोग पूछ रहे हैं कि कार्रवाई नहीं होगी, तो चोरों के हौसले तो बढ़ेंगे ही?'

नशे के सामान बेचने वालों पर भी उठे सवाल-शहर में नाबालिग बच्चों के नशे की लत को लेकर भी लोगों में नाराजगी है। सुलेशन, ब्हाइटनर जैसे नशे के सामान बेचने वालों पर कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। नागरिकों का कहना है कि अगर पेड़ की जड़ काट दी जाए, तो पौधा अपने आप सूख जाता है।' यानी नशे की सप्लाई बंद होगी, तो चोरी की घटनाएं भी कम हो सकती हैं।

चाइल्डलाइन संस्था भी सवालों के घेरे में-लोगों का कहना है कि जब कोई बड़ी घटना हो जाती है तब तो चाइल्डलाइन सक्रिय नजर आती है, लेकिन जो बच्चे धीरे-धीरे अपराध और नशे की ओर बढ़ रहे हैं, उन्हें रोकने के लिए कोई ठोस प्रयास दिखाई नहीं देता। जिसे लेकर संस्था की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

पुरानी बड़ी चोरियां अब भी अनसुलझी-पत्थलगांव में इससे पहले भी कई बड़ी चोरियां हो चुकी हैं, लेकिन कई मामलों में पुलिस को अब तक सफलता नहीं मिली है। इनमें प्रमुख हैं, कोयला फैक्ट्री गली में लाखों के जेवरात चोरी, अंबिकापुर रोड स्थित पूजा स्थल में हजारों की चोरी, तमता बूट हाउस में लाखों का माल पार और शहर में हुई कई छोटी-बड़ी वारदातें। इन घटनाओं ने शहर के लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

पुलिस की कार्यवाही पर नजर-फिलहाल सवाल यही है कि क्या पुलिस इस बार सिर्फ चोरों तक सीमित रहेगी, या चोरी के पूरे नेटवर्क पर शिकंजा कसेगी? क्योंकि शहर के लोग अब यही कह रहे हैं कि चोरी का खेल तभी रुकेगा, जब चोर, खरीददार और नशे की सप्लाई तीनों पर एक साथ कार्रवाई होगी।'

10वीं ओपन बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रही छात्राओं के लिए 'झलक' कार्यक्रम का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा संचालित सेकंड चांस प्रोग्राम के अंतर्गत कक्षा 10वीं की ओपन बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रही छात्राओं के लिए ब्लॉक लखनपुर में 'झलक' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मु य अतिथि के रूप में शासकीय हाई स्कूल के परीक्षा प्रभारी देवचन्द्र यादव एवं आशा एनजीओ से जगत बंधु साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मु य अतिथियों ने प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है। अतिथियों ने महिलाओं को 10वीं के बाद 12वीं की पढ़ाई पूरी करने तथा रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में छात्राओं एवं महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिससे उनके भीतर शिक्षा और कौशल विकास के प्रति बढ़ती जागरूकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्किलिंग टीम से दिनेश सारथी, पाथवे टीम से नागेश्वर साहू, एससीपीटीए से दिलेश्वर दास एवं अभिजीत हालदार, टीम लीडर अखिलेश कुमार तथा एससीपी लखनपुर टीम से सुरेश राम, सुखदेव, विक्रम और धरजीत का विशेष सहयोग रहा।

एक मांग-एक मंच के प्रांतीय कोर कमेटी की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। प्रदेश के कर्मचारियों एवं पेंशनरों की मोदी की गारंटी के तहत 2017 से लेकर 2026 तक कुल 86 माह के डीए एरियर्स की मांग को लेकर प्रदेश स्तर पर गठित एक मांग-एक मंच के प्रांतीय कोर कमेटी की बैठक संरक्षक डॉ. डी.पी. मनहर के मु य आतिथ्य एवं चंद्रिका सिंह की अध्यक्षता में राजधानी में आयोजित की गई। सरगुजा संभाग की ओर से विशिष्ट अतिथि के तौर पर सुजान बिन्द आदि शामिल हुए। 'एक मांग-एक मंच' के प्रांतीय संयोजक करन सिंह अटेरिया ने समस्त संरक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश के शासकीय कर्मचारी एवं पेंशनर एक सूत्रीय मांग पर शासन की उपेक्षा से आक्रोशित हैं इसलिए मांग पूरी होने तक हस्ताक्षर अभियान पूरे प्रदेश में जारी रहेगा।

प्रांतीय संरक्षक अनिल शुक्ला के द्वारा प्रस्तुत चार बिंदुओं को प्रांतीय कोर कमेटी ने सर्वस

मति से पारित किया, जिसमें 86 माह के डीए एरियर्स के लिए छत्तीसगढ़ शासन के मु यमंत्री एवं वित्त मंत्री से मिलकर चर्चा करने और डीए एरियर्स को लेकर शासन के विरुद्ध उच्च न्यायालय में कोई याचिका दायर नहीं करने का निर्णय लिया गया।

दो माह के बाद प्रांतीय स मेलन मु यमंत्री के आतिथ्य में आयोजित किया जाएगा। एक मांग-एक मंच का आगामी दो माह में जिला स्तर पर विस्तार करने का भी निर्णय लिया गया। इसके अलावा शासकीय कर्मचारियों के साथ-साथ पेंशनरों को भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ दिलाने मंच के माध्यम से मांग करने का निर्णय लिया गया है। बैठक को प्रांतीय संरक्षक ओ.पी. शर्मा, डॉ. डी.पी. मनहर, चंद्रिका सिंह, सुजान बिन्द, गोपाल साहू, गंगा शरण पासी, जयश्री साहू, दुलेश्री कुर्रे, ममता गायकवाड़, प्रदीप बोगी, सूरज प्रसाद देवांगन, डी.पी. पाण्डेय, डी.डी. मानिकपुरी, प्रकाश जाधव, बी.पी. पटेल ने संबोधित किया। बैठक में प्रांतीय कोर कमेटी के प्रदेश से 52 पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय प्रवक्ता विद्याभूषण दुबे ने किया।

सृष्टि के कण-कण में ईश्वर की उपस्थिति : गीता का विभूति योग

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। महामना मालवीय मिशन सरगुजा के तत्वाधान में गीता पाठ का आयोजन हुआ। जिसमें गीता के दसवें अध्याय का पाठ और व्याख्यान नगर के प्रबुद्धजन द्वारा दिया गया। इस अवसर पर दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बताया कि विभूति योग मनुष्य को सृष्टि के मूल कारण और नियंता को समझने की दृष्टि देता है। राज कुमार गुप्ता के अनुसार ईश्वर कोई सीमित सत्ता नहीं है, बल्कि समस्त सृष्टि का मूल आधार है। ललित मोहन तिवारी ने कहा कि यह अध्याय मनुष्य को आध्यात्मिक उन्नति की ओर ले जाता है। आर एन अवस्थी के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण अपनी प्रमुख दिव्य विभूतियों का उल्लेख करते हैं।

जमुना लाल श्रीवास्तव के विचार से यह दृष्टि मनुष्य के जीवन में परिवर्तन लाती है और श्रद्धा और विनम्रता का भाव उत्पन्न करती है। जे पी गुप्ता

कहते है कि विभूति योग ज्ञान और भक्ति का सुंदर समन्वय है। राज नारायण द्विवेदी ने समझाया की यह अध्याय मनुष्य को व्यापक और दिव्य दृष्टि प्रदान करता है। आज के भौतिकवादी युग में यह अध्याय विशेष रूप से प्रासंगिक हो जाता है। आधुनिक जीवन में मनुष्य अक्सर प्रकृति और आध्यात्मिक मूल्यों से दूर होता जा रहा है। विभूति योग हमें याद दिलाता है कि संसार केवल भौतिक वस्तुओं का संग्रह नहीं है, बल्कि यह एक दिव्य व्यवस्था है, जिसके पीछे एक परम चेतना कार्य कर रही है। यदि मनुष्य इस सत्य को समझ ले, तो उसके जीवन में संतुलन और शांति स्थापित हो सकती है। यह अध्याय हमें यह भी सिखाता है कि ईश्वर की खोज केवल मंदिरों या तीर्थस्थलों में ही नहीं की जानी चाहिए। सृष्टि की प्रत्येक सुंदरता, ज्ञान की प्रत्येक चमक, और जीवन की प्रत्येक सकारात्मक शक्ति में ईश्वर की झलक देखी जा सकती है। जब मनुष्य इस दृष्टि को अपनाता है, तब उसका जीवन एक आध्यात्मिक यात्रा बन जाता है। अंततः विभूति योग हमें यह संदेश देता है कि ईश्वर सर्वत्र हैं, प्रकृति में, मानव के भीतर और ब्रह्मांड के प्रत्येक कण में। जो व्यक्ति इस सत्य को समझकर जीवन में उतार लेता है, उसके लिए संसार केवल भौतिक अनुभव का क्षेत्र नहीं रह जाता, बल्कि वह ईश्वर की दिव्य उपस्थिति का अनुभव करने का माध्यम बन जाता है। इस प्रकार गीता का दसवाँ अध्याय मनुष्य को एक व्यापक और दिव्य दृष्टि प्रदान करता है। यह हमें सिखाता है कि यदि हम संसार को ईश्वर की विभूतियों के रूप में देखना सीख लें, तो जीवन में श्रद्धा, संतुलन और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग स्वतः खुल जाता है। यही विभूति योग का वास्तविक संदेश है, जो मानव जीवन को अर्थपूर्ण और प्रकाशमय बनाता है।

सरगुजा संभाग स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता में कोरिया रहा विजेता

युवा संसद विद्यार्थियों को संसदीय प्रक्रिया की गहराई से समझ प्रदान करती है: सांसद

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजीव गांधी पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, अंबिकापुर के सभागार में सरगुजा संभाग स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता का गरिमामय आयोजन किया गया। आयोजन में सरगुजा संभाग के सभी जिलों सरगुजा, जशपुर, कोरिया, बलरामपुर-रामानुजगंज, सूरजपुर एवं मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी-भरतपुर से आए प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। कार्यक्रम संभागीय आयुक्त सरगुजा नरेंद्र दुग्गा के मार्गदर्शन में संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा संभाग संजय गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल थे, अध्यक्षता सरगुजा सांसद चिंतामणि महराज ने की। विशिष्ट अतिथियों में अखिलेश सोनी, अनिल सिंह मेजर, मधुसूदन शुक्ला, मनोज गुप्ता, महापौर मंजूषा भगत, आलोक दुबे, तजिंदर बग्गा सहित कई गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद एवं प्राचार्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात् वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। वक्ताओं ने युवाओं को लोकतंत्र की मूल भावना से अवगत कराते हुए कहा कि भारत की लोकतांत्रिक शक्ति जागरूक एवं सक्रिय नागरिकों पर निर्भर करती है। अलोक दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि युवा संसद विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल एवं तार्किक सोच का विकास करती है। अध्यक्षीय उद्बोधन में चिंतामणि महराज ने कहा कि युवा संसद विद्यार्थियों को संसदीय प्रक्रिया की गहराई से समझ प्रदान करती है। मु य अतिथि राजेश अग्रवाल ने युवाओं से अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा संसद प्रतियोगिता राजनीति की जीवंत पाठशाला है। प्रतियोगिता में प्रत्येक जिले से 48-48 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कोरिया जिले ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, सरगुजा उपविजेता रहा। इसके अतिरिक्त विभिन्न आठ उत्कृष्ट भूमिकाओं के लिए प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान मु यमंत्री अलंकरण समारोह के अंतर्गत तीन व्या याताओं को 'शिक्षा श्री स मान' पांच प्राचार्यों को 'उत्कृष्ट प्राचार्य स मान' से स मानित किया गया। स मानित शिक्षकों को प्रमाणपत्र के साथ क्रमशः 10 हजार एवं 2 हजार रुपये प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में आशीष दुबे, दिवाकर शर्मा एवं विनय अ ब्रष्ट शामिल रहे। स्वागत प्रतिवेदन संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा संभाग संजय गुप्ता ने प्रस्तुत किया। युवा संसद प्रतियोगिता में सभी का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा, परंतु निर्णायकों की नजर में विजेता कोरिया जिला तथा उपविजेता सरगुजा जिला बना। इसी तरह व्यक्तिगत भूमिकाओं में सर्वश्रेष्ठ स्पीकर एम.सी.बी को सर्वश्रेष्ठ मंत्री सरगुजा, सर्वश्रेष्ठ प्रश्नकर्ता कोरिया, सर्वश्रेष्ठ वक्ता पक्ष कोरिया, सर्वश्रेष्ठ वक्ता विपक्ष सरगुजा, सर्वश्रेष्ठ नेता प्रतिपक्ष कोरिया, सर्वश्रेष्ठ पक्षीय सांसद कोरिया, सर्वश्रेष्ठ विपक्षीय सांसद सरगुजा को मिला। पुरस्कार वितरण मंजूषा भगत महापौर ने किया। आभार प्रदर्शन गिरिश गुप्ता प्राचार्य के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफलता में विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रदीप राय, बीआरसी संजीव भारती तथा टीम सीएसी की सराहनीय भूमिका रही। कार्यक्रम में उपायुक्त सरगुजा संभाग शारदा अग्रवाल भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के सफल संचालन में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा सरगुजा, विनोद कुमार राय कोरिया, मनीराम यादव बलरामपुर, अजय मिश्रा सूरजपुर, आर.पी.मिर्रे एम.सी.बी, डीएमसी सरगुजा सर्वजीत पाठक, सहायक संचालक भरत अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, शशि सिंह, प्रवीण सिन्हा, रविशंकर तिवारी, संतोष साहू लेखापाल, उपेंद्र पाण्डेय, डॉ. अंचल कुमार सिन्हा, सतीश पाण्डेय, सिरीश नंदे, नवनीत त्रिपाठी, विश्वजीत पाठक सहित संभागीय शिक्षा कार्यालय के अधिकारियों का सराहनीय योगदान रहा।

शिक्षक फेडरेशन द्वारा पूर्व की भाति इस वर्ष भी निःशुल्क प्याऊ की व्यवस्था की गई

छ.ग. फ्रंटलाइन रामानुजनगर। चैत्र नवरात्रि, रामनवमी के शुभ अवसर पर छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक/समग्र शिक्षक फेडरेशन की ओर से माता कुदरगढ़ी के दरबार में दर्शनार्थियों के सेवार्थ इस वर्ष भी निःशुल्क प्याऊ चना, गुड़ की व्यवस्था की गई थी। दशमी तिथि को संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों द्वारा विश्राम दिया गया। कुछ सेवा भावी शिक्षकों द्वारा प्रारंभ किया गया यह सेवा कार्य विगत सात-आठ वर्षों से प्रत्येक नवरात्र में किया जा रहा है। जो अब फलित होने लगा है और अन्य सेवाभावी शिक्षक एवं जन समुदाय इस पुनीत कार्य से जुड़ने लगे हैं और जैसे ही माता का यह पावन पर्व आने को होता है लोग सेवा के लिए तत्पर होने लगते हैं।

संगठन प्रमुख विजय साहू व अमरनाथ चौबे ने कहा कि दर्शनार्थियों की सेवा से परम संतोष की अनुभूति होती है, प्यासों को पानी पिलाने से बढ़कर कोई पुण्य का कार्य नहीं हो सकता जैसे-जैसे माता के दर्शनार्थियों की संख्या बढ़ रही है वैसे-वैसे सेवाभावी भक्तों की संख्या भी निरंतर बढ़ रही है। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक/समग्र शिक्षक फेडरेशन के जिला सचिव शशि भूषण दुबे ने इस पुनीत कार्य में शारीरिक एवं आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले समस्त साथियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए माता कुदरगढ़ी से प्रार्थना किया है कि समस्त श्रद्धालुओं, सहयोगकर्ताओं पर अपनी असीम कृपा सदैव बनाए रखें एवं सेवा कार्यों के लिए सदैव प्रेरित करते रहें।

16 निरीक्षक और कंपनी कमांडर बने डीएसपी

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह विभाग के पुलिस महकमे के अंदर बड़े स्तर पर पदोन्नति की गई है। गृह विभाग ने आदेश द्वारा जारी कर 16 अधिकारियों को निरीक्षक और कंपनी कमांडर से पदोन्नत कर उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) बनाया गया है। सरकार ने यह फैसला विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में हुई सिफारिशों के तहत लिया है। पदोन्नत अधिकारियों को वेतन मैट्रिक्स के लेवल-12 में रखा गया है, जिसमें निर्धारित वेतनमान के अनुसार लाभ मिलेगा। यह प्रमोशन उनके कार्यभार संभालने के बाद से लागू माना जाएगा। जिन अधिकारियों को पदोन्नति दी गई है, वे अब डीएसपी संवर्ग (विशेष शाखा) में शामिल होंगे। हालांकि तैनाती के अलग से आदेश जारी किए जाएंगे।

इन अधिकारियों को मिला प्रमोशन

विशेष शाखा से - सविता सिंह परिहार, अरनोल्ड संतरी बड़ा, विष्णु प्रसाद देशमुख। कंपनी कमांडर श्रेणी से - बृजेश कुमार भदौरिया, अविनाश कुमार अग्निहोत्री, हरीश कुमार तिवारी, अमित शर्मा, मनीष कुमार साहू, शैलेन्द्र कुमार सेन, देवनारायण सिंह, इन्द्रसेन बंजारे, मिलमन मिंज, ओमप्रकाश सेन, राकेश कुमार सलाम, राम बहादुर शर्मा और शब्बीर अली

चिराग एवं हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय ने आयोजित किया नेतृत्व एवं व्यक्तित्व विकास कार्यशाला

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी एवं संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में नेतृत्व एवं व्यक्तित्व विकास विषय पर एक प्रेरणादायक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.राजेश श्रीवास्तव प्राचार्य साईं बाबा कॉलेज एवं विशिष्ट अतिथियों के रूप में मंगल पाण्डेय संयोजक नवा बिहान नशा मुक्ति जागरूकता अभियान सह निर्देशक चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी, अजय तिवारी वरिष्ठ समाजसेवी कर्मयोग राज्य

समन्वयक आर्ट आफ लिविंग छत्तीसगढ़, अंचल ओझा मुख्य कार्यकारी सरगुजा साइंस ग्रुप एवं एजुकेशनल सोसायटी एवं अनिल कुमार मिश्रा समन्वयक नवा बिहान नशा मुक्ति जागरूकता अभियान सह डायरेक्टर छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान उपस्थित रहे। मंगल पाण्डेय द्वारा व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयामों संचार कौशल, सकारात्मक सोच, समय प्रबंधन एवं व्यवहारिक परिवर्तन पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। उन्होंने प्रेरणादायक उदाहरणों एवं लघु वीडियो क्लिप्स के माध्यम से विद्यार्थियों को आत्मविकास के लिए जागरूक किया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक को शारीरिक से अधिक मानसिक रूप से सक्रिय एवं सशक्त होना आवश्यक है। उन्होंने सकारात्मक सोच, आदर्श आचरण एवं निरंतर अध्ययन की आवश्यकता पर बल देते हुए सूर्य, चंद्रमा, मंगल एवं बुध आदि ग्रहों से संबंधित ज्योतिषीय ज्ञान भी सरल रूप में समझाकर सभी को जागरूक किया। अजय तिवारी ने नेतृत्व के गुणों पर चर्चा करते हुए बताया कि एक सच्चा नेता वहीं होता है जो पहले स्वयं की कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करता है।

उन्होंने पारिवारिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक नेतृत्व के विभिन्न पहलुओं को समझाते हुए विद्यार्थियों को प्रभावी नेतृत्व के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि अनिल कुमार मिश्रा एवं अंचल ओझा ने भी व्यक्तित्व विकास, जीवन दक्षता के विभिन्न आयामों पर अपने अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती सुमन पाण्डेय द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस कार्यशाला ने प्रशिक्षार्थियों में आत्मविश्वास, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस प्रकार यह कार्यशाला प्रशिक्षार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास हेतु अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुई।

घरेलू सिलेंडरों की जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर करें कड़ी कार्रवाई : जयवर्धन

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने की शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और पोषण योजनाओं की समीक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को यहां संयुक्त जिला कार्यालय के सभागार में कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में आयोजित समय-सीमा बैठक में जिले के विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, कृषि, खाद्य, पीएचई सहित अन्य विभागों के कार्यों की स्थिति पर गंभीरता से चर्चा की गई। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सभी विकासखंडों के शासकीय एवं निजी विद्यालयों में विद्यार्थियों के जन्म प्रमाण पत्र तथा अपार आईडी बनाने की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने इस कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी विद्यालयों का यूडीआईएसई, डाटा समय पर अपडेट करने के निर्देश दिए। मिड-डे मील की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रों के समय पर संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र समय से न खुलने या लापरवाही बरतने वाले कार्यकर्ताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बच्चों एवं महिलाओं को योजनाओं का लाभ समय पर मिले, यह सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही नए आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण एवं सहायिकाओं की भर्ती की प्रगति की जानकारी ली गई। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने आयुष्मान भारत

योजना अंतर्गत आयुष्मान कार्ड तथा वय वंदन कार्ड निर्माण की प्रगति और स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति का जायजा लिया। कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना प्रगति की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने फर्टिलाइजर इंस्पेक्टर द्वारा खाद के अवैध भंडारण एवं जमाखोरी पर सख्ती से जांच करवाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त खाद्य विभाग को एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। ईई पीएचई को आवश्यक क्षेत्रों में बोरिंग कर पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में निर्माण एजेंसियों द्वारा संचालित भवन निर्माण कार्यों तथा सभी नगर पालिका एवं नगर पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पटले, संयुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र शर्मा, सभी एसडीएम एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने की जनगणना तैयारियों की समीक्षा

भारत की आगामी जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर एस. जयवर्धन ने राजस्व अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में जनगणना की तैयारियों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई तथा प्रशिक्षण पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आंकड़े अधूरे या त्रुटिपूर्ण न हों, इस पर विशेष ध्यान रखा जाए। छत्तीसगढ़ में जनगणना के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 01 से 30 मई तक संचालित किया जाएगा। कलेक्टर ने इस अवधि से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना की सफलता सूक्ष्म योजना, समन्वय और सटीक क्रियान्वयन पर निर्भर करती है, इसलिए सभी अधिकारी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ इस राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन करें। बैठक में कलेक्टर ने अनुविभाग एवं तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की भी गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजनों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देते हुए सभी प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में अवैध अतिक्रमण, विवादित एवं अविवादित नामांतरण, खाता विभाजन और त्रुटि सुधार सहित अन्य राजस्व प्रकरणों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।

फेसबुक का प्यार चढ़ा परवान, परिणय बंधन में बंधे युवक युवती, 8 दिन बाद युवती हुई लापता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। फेस बुक से हुई युवक युवती की जान पहचान मुलाकातों में बदली और यह मेल मिलाप प्यार के रूप में परवान चढ़ गया। बात शादी तक आ पहुंची और दोनों ने जाति बंधन को दरकिनार कर एक दूसरे के साथ जीवन बिताने की कसमो वादों के साथ मंदिर में विवाह कर अटूट बंधन में बंध गए। दोनों के इस वैवाहिक बंधन के साक्षी बनने के लिए युवक के परिजन व इष्टमित्र मौजूद थे। जिनकी मौजूदगी में पूरी वैवाहिक रस्म अदा की गई। मगर विवाह के 8 दिन पश्चात ही लड़की के अचानक गायब हो जाने से युवक चिंता में पड़ गया है। तमाम पतासाजी के बाद भी जब नव विवाहिता नहीं मिली तो मामले की सूचना यहां कोतवाली में दर्ज कराई गई है जिस पर पुलिस भी पतासाजी में जुटी हुई है। मामला नगर के वार्ड क्र. 14 मानपुर मोहल्ले का है।

बताया गया है कि यहां के 23 वर्षीय अमन नामक युवक व जिले की ही 21 वर्षीय युवती की जान पहचान करीब 1 वर्ष पूर्व फेसबुक के माध्यम से हुई थी। जिसके बाद दोनों के बीच एक दूसरे से मिलने मिलाने का सिलसिला चालू हुआ और यह मेल मुलाकात धीरे धीरे प्यार में बदल गया और दोनों ने साथ में जीवन बिताने का फैसला कर लिया। चूंकि दोनो अलग अलग जाति के थे युवक अमन ने तो अपने परिजनों को इस विवाह के लिए राजी कर लिया मगर युवती अपने परिजनों को राजी करने की हिम्मत नहीं जुटा सकी। इस बीच बीते 8 मार्च को युवक उक्त युवती को अपने साथ ले आया और 11 मार्च को युवक अमन के परिजनों, रिस्तेदारो और मित्रो की उपस्थिति में माँ महामाया मंदिर में विधि विधान से विवाह सम्पन्न हुआ। विवाह के बाद दोनों 8 दिनों तक साथ रहे और इस बीच सैर सपाटा भी करते रहे। परंतु इस बीच 18 मार्च की शाम युवती घर से बगैर बताए चली गई। 19 मार्च की सुबह युवती के मोबाइल नम्बर पर अमन की बात हुई, जिसके बाद से मोबाईल बंद हो गया। परेशान युवक अपनी पत्नी की आसपास एवं उसके मायके तथा अन्य संबंधित जगहों में पतासाजी किया परंतु उसका कहीं कोई पता नहीं चल सका। जिसके बाद युवक ने यहां कोतवाली थाने में गुमसुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराया है। रिपोर्ट पर पुलिस ने गुम इन्सान कायम कर जांच व पतासाजी में लिया है। गुम इसान कायमी की सूचना पृथक से डी सी आर बी शाखा को भी भेजी गई है।

सार्वजनिक शौचालय का हाल बेहाल, खुले में जाना लोगो की मजबूरी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शहर के हृदय स्थल पुराना बस स्टैंड स्थित सार्वजनिक शौचालय में पसरी गन्दगी से परेशान आस पास के व्यवसायियो ने नगर पालिका के सीएमओ को ज्ञापन सौपकर सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने हेतु मांग की है। सीएमओ प्रभाकर शुक्ला को सौपे ज्ञापन में दुकानदारों ने बताया है कि पुराना बस स्टैंड चौपाटी के पास स्थित सार्वजनिक शौचालय की हालत साफ सफाई के आभव में अत्यंत दयनीय हो गई है। यहाँ पसरे गंदगी को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि वहाँ कई वर्षों से नियमित सफाई नहीं की गई है। जबकि उक्त शौचालय चौपाटी के समीप स्थित है, जहाँ प्रतिदिन शाम के समय बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ रहती है। इसके बावजूद शौचालय की साफ-सफाई का अभाव है, जिसके कारण आम नागरिकों एवं आसपास के दुकानदारों को अत्यधिक असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति

इतनी खराब है कि लोग उक्त सार्वजनिक शौचालय के उपयोग करने से भी कतराते हैं तथा मजदूरीवश लोग खुले में शौच, मूत्र त्याग करने को विवश है। नगर पालिका कार्यालय से कुछ दूरी पर स्थित होने के बावजूद इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बताया गया है कि इस संबंध में पूर्व में भी आवेदन दिया गया था, परंतु इस ओर अब तक कोई ध्यान नहीं दिया गया। गंदगी और बदबू से आस पास के लोग भी परेशान है और बीमारी का खतरा बढ़ गया है। दुकानदारों ने उक्त सार्वजनिक शौचालय की शीघ्र साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने का आग्रह किया है, ताकि आम नागरिक सार्वजनिक शौचालय की सुविधा का लाभ ले सके। उक्ताशय की प्रतिलिपि कलेक्टर को भी दी गई है।

स्कूली बच्चों की वाहन चलाने वाले नशेड़ी चालक को ट्रैफिक पुलिस ने पकड़ा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के यातायात को सुगम, सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से एसएसपी प्रशांत कमार ठाकुर निर्देश पर निरंतर यातायात व थाना-चौकी की पुलिस द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन

मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं के तहत वाहन की गई जप्त

चालकों पर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में सोमवार को यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय व उनकी टीम चंदरपुर चौक में वाहनों की चेकिंग कर रहे थे इसी बीच वहां स्कूली बच्चों को लेकर ईको वाहन क्रमांक सीजी 29 एजी 6127 का चालक नरसिंह उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम चंदरपुर वहां पहुंचा। ब्रीथ एनालाइजर मशीन से चेक करने पर वाहन चालक शराब के नशे में पाया गया तथा बिना परमिट के

स्कूली बच्चों का परिवहन भी कर रहा था। मामले में धारा 185, 66/192 एमव्ही एक्ट के तहत कार्यवाही कर वाहन जप्त किया गया। यातायात पुलिस के द्वारा स्कूली बच्चों को वाहन की व्यवस्था कर उन्हें सकुशल उनके घरों तक पहुंचवाया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि बच्चों के सुरक्षित स्कूल आवागमन को लेकर किसी प्रकार लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। वाहन स्वामी एवं चालक यातायात नियमों का अक्षरशः पालन कर वाहन का परिचालन करें व करवाए,किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर सख्ती से कार्यवाही की जायेगी।

नकली सोना देकर रकम ठगी करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ग्राम दर्रीपारा के बालरूप गुप्ता ने थाना चांदनी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि बीते होली त्यौहार के 4-5 दिन पूर्व ग्राम पपराखांड सावारांवा के सोनू के द्वारा बताया गया कि 2 मोबाईल नंबर से उसके मोबाईल में फोन आता है कि उक्त व्यक्ति के पास सोना है खरीदने के लिए बोल रहा है तब यह बोला ठीक है यह सोना खरीद लेगा चलो देखवा दो तब यह सोनू के साथ सोना लेने के लिए सेम्पल देखने बिहारपुर नवाटोला गया था जहां 2 व्यक्ति मिले और इन्हे जो सोना दिखाये उसी में से छोटा टुकडा सोना काट कर सोना का सैम्पल दिये। दोनो व्यक्ति आवेदक का मोबाईल नंबर लिये, तब उस सोना को ले जाकर भैयाथान में सोनार के पास चेक कराया तो सोना असली था उसके

बाद बातचीत करके यह 2 लाख 20 हजार रूपये लेकर एक व्यक्ति के साथ रेडीपहरी चौक ठाडपाथर थाना चांदनी में पहुंचा तो वहां पर वही दोनों व्यक्ति मिले जो कपडे में लपेट कर पीतल को पीटवाकर सोने के बिस्कीट जैसा बनवाकर असली सोना बता कर दिये जिन्हें और 2 लाख 20 हजार रूपये नगद दिया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना चांदनी में अपराध क्रमांक 28/2026 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने धोखाधड़ी के आरोपियों की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी के मार्गदर्शन में थाना चांदनी पुलिस ने विवेचना कर सोना खरीदने के लिए बहला-फुसलाकर कमीशन लेने वाले आरोपी अर्जुन देवांगन व मोहन उर्फ सोनू को दबिश देकर पकड़ा जिनसे पूछताछ के आधार पर आरोपी राजेन्द्र यादव व किशोरी लाल यादव को भी पकड़ा गया। पूछताछ पर चारों ने धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया जिनके निशानदेही पर ठगी की रकम 1 लाख 24 हजार रूपये नगद बरामद किया गया।इस मामले में आरोपी अर्जुन देवागंन पिता नधीर देवागंन उम्र 35 वर्ष सा. मसनकी थाना ओडगी, मोहन उर्फ सोनू पिता नोहरसाय उम्र 29 वर्ष ग्राम सावारांवा दर्री घटिया पपडाखांड थाना ओडगी, राजेन्द्र यादव पिता स्व. शीतल प्रसाद उम्र 46 वर्ष ग्राम कर्री चौकी बलंगी रघुनाथनगर जिला बलरामपुर एवं किशोरी लाल यादव पिता नानदाउ यादव उम्र 42 वर्ष सा. कर्री चौकी बलंगी रघुनाथनगर को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी चांदनी आर.पी.साहू, एएसआई क्षेत्रपाल सिंह, प्रधान आरक्षक भूपेन्द्र सिंह पोर्ते, आरक्षक मंजीत कुमार, मंगलसाय, रूप प्रसाद राजवाड़े, मुकेश साहू व आलोक सिंह सक्रिय रहे।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, (वि./यां.) संभाग अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-1159 / NIT-12 / 2025-2026 / व.ले.लि. दिनांक 24 / 03 / 2025

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 02 / 04 / 2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अतिम तिथि :- 08 / 04 / 2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 09 / 04 / 2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

कार्य हेतु :-

निविदा प्रपत्र का मूल्य 750.00 रुपये, निविदाकारों की श्रेणी ई-पंजीयन के अंतर्गत "द" से "अ" तक तथा कार्य की अवधि समस्त कार्यों हेतु दिनांक 31.03.2027 तक वर्षा ऋतु सहित निर्धारित है।

एनआईटी 12 निविदा क्र.	कार्य का नाम No of Calls (प्रथम आमंत्रण)	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू. में) बैंक साल्वेसी (रू. में)
1	2	3
T0054	जिला जशपुर के अंतर्गत न्यायालय भवन पत्थलगांव में शौचालय का विद्युतीकरण कार्य / / बजट कार्य / /	1.78-2000.00-26700.00
T0055	जिला न्यायालय जशपुर व्यवहार न्यायालय बगीचा में दिव्यांगों हेतु शौचालय एवं व्यवहार न्यायालय कुनकुरी में दिव्यांगों हेतु शौचालय (मेला / फिमेल) का विद्युतीकरण कार्य / / बजट कार्य / /	1.31-2000.00-19650.00
T0056	जशपुर जिले के अतर्गत व्यवहार न्यायालय कुनकुरी में ट्रासजेंडर हेतु शौचालय एवं 5 नग शौचालयों कुनकुरी 2 दिव्यांगजनों एवं 3 सामान्य हेतु / विद्युतीकरण कार्य / / बजट कर्य / /	1.22-2000.00-18300.00
T0057	जशपुर जिले के अंतर्गत जिला न्यायालय जशपुर एवं व्यवहार न्यायालय बगीचा के महिला एवं पुरूष शौचालय में विद्युतीकरण कार्य / / बजट कार्य / /	1.09-2000.00-16350.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अनंत निविदा प्रपत्र उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियन्ता
लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग
अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

जी-252607412/2

पत्नी की हत्या कर पुलिस को गुमराह करने का आरोपी पति गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ग्राम तारकेश्वरपुर निवासी अलमा प्रजापति ने चौकी सलका उमेश्वरपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया अपने पड़ोसी के साथ सामान लेने कार से खडगवां रतनपुर गया था, घर में इसकी पत्नी लीलावती अकेली थी, बैकुंठपुर तरफ से रात्रि में वापस घर पहुंच कर देखा कि इसकी पत्नी लीलावती पलंग के नीचे जमीन पर मुंह के बल लेटी थी यह सोचा कि शराब के नशे में जमीन तरफ मुंह के बल लेटी है, पहले इसी तरह जमीन पर लेट जाती थी यह सोचकर नहीं उठाया, अपनी पत्नी को उठा कर देखा तो उसकी मृत्यु हो गई थी जिसके चेहरे चोट लगा था। घटना कि जानकारी पड़ोसियों व रिश्तेदारों में दिया हूँ। पत्नी की मृत्यु अज्ञात कारणो से होने की सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया। मर्ग जांच में यह बात सामने आई कि अलमा प्रजापति दूसरी महिलाओं से बातचीत करता था जिस कारण उसकी लीलावती उसके चरित्र पर शंका कर

बातचीत करने से मना करती जिससे दोनों में झगड़ा विवाद होता था और अलमा अपनी पत्नी को मारपीट भी करता था। मृतिका के पीएम रिपोर्ट व मर्ग जांच उपरान्त मामले में अपराध क्रमांक 38/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। एसडीओपी प्रेमनगर बेनार्ड कुजूर के मार्गदर्शन में चौकी सलका उमेश्वरपुर पुलिस के द्वारा पाए गए तथ्यों के आधार पर संदेही अलमा प्रजापति को तलब कर बारीकी से पूछताछ किया। पूछताछ पर उसने बताया कि पत्नी दूसरी महिलाओं से बातचीत करने का आरोप लगाकर झगड़ा विवाद करती थी मना करने पर भी नहीं मानती थी। बैकुंठपुर तरफ से घर आने पर पत्नी द्वारा पुनः इसके चरित्र पर शंका कर झगड़ा विवाद करने से आक्रोशित होकर हाथ-पैर, प्लास्टिक पाइप, चाकू से मारपीट कर उसकी हत्या कर दिया। पत्नी की हत्या के मामले में फंसने से बचने के लिए चौकी जाकर मनगढ़ंत रिपोर्ट लिखवाना बताया। आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू, पाइप जप्त कर आरोपी अलमा प्रजापति पिता स्व. पीलाराम उम्र 54 वर्ष ग्राम तारकेश्वरपुर चौकी सलका-उमेश्वरपुर को गिरफ्तार किया गया। मामले में गिरफ्तार आरोपी चौकी क्षेत्र का गुण्डा बदमाश भी है।इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी सलका उमेश्वरपुर संजय सिंह यादव, प्रधान आरक्षक अजीत प्रताप सिंह, ईश्वर सिंह, आरक्षक राकेश सिंह पोर्ते, रामचंद्र साहू, पंकज राजवाड़े व पिताम्बर सिंह सक्रिय रहे।

लाल गुलाब की खुशबू से सराबोर हुआ 2 एकड़ का पॉलीहाउस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यूं तो गुलाब हम सभी को बेहद पसंद होते हैं। गुलाब के विविध रंग बिना कुछ कहे ही मन को अपनी ओर खींच लेते हैं। उनकी मोहक आभा और कोमलता सहज ही मन में आकर्षण उत्पन्न कर देती है। शादी-विवाह, जन्मदिन, त्यौहार या किसी प्रियजन के चेहरे पर मुस्कान लानी हो तो गुलाब का फूल या गुलदस्ता हमेशा पहली पसंद रहता है। इसी बढ़ती मांग को अवसर में बदलकर जिले के ग्राम डुमरिया में शहर के भोला प्रसाद अग्रवाल ने आधुनिक खेती के माध्यम से सफलता की एक मिसाल कायम की है।

पारंपरिक खेती से आधुनिक पॉली हाउस तक वर्ष 2023 में उन्होंने परंपरागत खेती से हटकर उन्नत तकनीक अपनाने का निर्णय लिया और 2 एकड़ भूमि में 2 पॉलीहाउस स्थापित किए। करीब 1.20 करोड़ की लागत से तैयार इस परियोजना में लगभग 90 लाख रुपये बैंक ऋण, 30 लाख रुपये स्वयं की

जिले का गुलाब प्रदेश सहित बनारस व ओडिशा के बाजारो में बिखेर रहा जलवा

पूंजी तथा राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड से 50 प्रतिशत अनुदान प्राप्त हुआ। पॉलीहाउस में डच किस्म के लगभग 80 हजार गुलाब पौधे लगाए गए, जो नियंत्रित तापमान और उन्नत पोषण प्रबंधन के कारण सालभर उत्पादन देते हैं। बताया गया है कि आज के समय में इस फार्म से प्रतिदिन औसतन 3 से 4 हजार गुलाब स्टिक का उत्पादन हो रहा है। तैयार फूलों की आपूर्ति बनारस, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के विभिन्न बाजारों में की जाती है। जिससे औसत मासिक आय 2 से 3 लाख रुपये तक होती है। इसमें श्रमिक खर्च, खाद, उर्वरक व रखरखाव खर्चों के बाद भी यह खेती बेहद लाभकारी बनी हुई है और नियमित आमदनी का मजबूत स्रोत बन चुकी है।

किसान भोला प्रसाद अग्रवाल बताते हैं कि पारंपरिक खेती में मौसम पर निर्भरता अधिक रहती है, लेकिन इस पॉलीहाउस के आधुनिक तकनीक ने जोखिम कम कर दिया। नियंत्रित वातावरण के कारण फूलों की गुणवत्ता बेहतर रहती है और बाजार में अच्छे दाम मिलते हैं। श्री अग्रवाल जिले के अन्य किसानों के लिए संदेश देते हुए

कहते हैं कि यदि किसान नई तकनीक अपनाए और शासन की योजनाओं का लाभ ले, तो खेती को भी उद्योग की तरह सफल बनाया जा सकता है। आज उनकी खेती न केवल परिवार की आय बढ़ा रही है, बल्कि आसपास के लोगों को रोजगार भी दे रही है। आधुनिक खेती का यह मॉडल क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणा बन गया है। निश्चित रूप से यह कहा जा सकता है कि सही योजना, तकनीक और मेहनत हो तो खेत भी उद्योग बन सकता है और फूल भी भविष्य बदल सकते हैं।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

अनुशासन, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ करें अपने कर्तव्यों का निर्वहन-आईजी

आईजी ने वार्षिक निरीक्षण दौरान रक्षित केंद्र में लगाया पुलिस दरबार, सुनी समस्याएं

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज ने वार्षिक निरीक्षण दौरान रक्षित केंद्र में परेड की सलामी ली, और पुलिस दरबार में अधिकारियों-कर्मचारियों से रूबरू होकर उनकी समस्याओं का निराकरण किया। उन्होंने कहा कि पुलिस बल को हमेशा अनुशासन, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। पूर्व में उन्होंने पुलिस अधीक्षक कार्यालय व थाना गांधीनगर का भी निरीक्षण किया था। आईजी ने पीसी एंड आर मद अंतर्गत रक्षित केंद्र में निर्मित एवं मरम्मत कराए गए विभिन्न निर्माण एवं मरम्मत कार्यों, बाउंड्रीवॉल, मीटिंग हॉल में मरम्मत, विशेष शाखा में रिनोवेशन कार्य, परेड मंच इत्यादि का लोकार्पण किया।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा सोमवार को सरगुजा जिले का वार्षिक निरीक्षण किए। रक्षित केंद्र अंबिकापुर पहुंचकर परेड की सलामी ली और पुलिस बल के अनुशासन, वेश-भूषा और कार्यप्रणाली का बारीकी से निरीक्षण किया। परेड निरीक्षण दौरान उत्कृष्ट वेश-भूषा एवं अनुशासन का परिचय देने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उन्होंने पुरस्कृत किया। आईजी ने रक्षित केंद्र में उपलब्ध शासकीय वाहनों का भी निरीक्षण किया और वाहनों के उचित रख-रखाव, नियमित देखरेख सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रक्षित केंद्र की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सभी पुलिस कर्मियों को उत्तम गणवेश में रहकर सख्त अनुशासन का पालन करना चाहिए। वर्तमान में तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता को देखते हुए उन्होंने सभी पुलिस अफसरों और कर्मचारियों को कंप्यूटर की अनिवार्य जानकारी रखने की सलाह दी, ताकि आधुनिक पुलिसिंग और कार्यालयीन कार्यों को बेहतर ढंग से संपादित किया जा सके। आईजी ने पुलिस बल को नशे से दूर रहने और भ्रष्टाचार से बचने की सख्त समझाइश दी। उन्होंने कहा पुलिस की छवि जनता के बीच एक ईमानदार और जिम्मेदार संस्था के रूप में बनी रहनी चाहिए। यदि किसी भी आपराधिक गतिविधि में पुलिस के किसी अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता पाई जाती है, तो उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व में पुलिस महानिरीक्षक ने थाना गांधीनगर व पुलिस अधीक्षक कार्यालय सरगुजा का भी जायजा लिया था और कार्यालयीन कार्यों को समयबद्ध एवं व्यवस्थित रूप से पूर्ण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा कि कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, ताकि पुलिस व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके। वार्षिक निरीक्षण के दौरान डी.आई.जी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों, नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर राहुल बंसल, एसडीओपी सीतापुर राजेंद्र मंडावी, एसडीओपी ग्रामीण तुल सिंह पट्टावी, उप पुलिस अधीक्षक सुरेश भगत, उप पुलिस अधीक्षक अमृत कुजूर, प्रशिक्षु डीएसपी निशांत कुर्रे, रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत सहित समस्त थाना/चौकी प्रभारी एवं आईजी स्टेनो पुष्पेंद्र शर्मा उपस्थित रहे।

हजारों एकड़ में लगे पेड़ों की बली, करोड़ों के खेल का लग रहा आरोप

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। शासन-प्रशासन भले ही जंगलों की सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे करे, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों को खुली चुनौती दे रही है। शंकरगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बिलकोना अंतर्गत जंगलों की अंधाधुंध कटाई ने प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों के आरोप बेहद गंभीर हैं। इनका कहना है कि बीते करीब दो वर्षों में लगभग हजारों एकड़ से अधिक जंगल क्षेत्र में हजारों पेड़ों को काट दिया गया। इस पूरे मामले में वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारियों की मिलीभगत सामने आ रही है। ग्रामीणों का दावा है कि प्रति एकड़ 20 से 30 हजार रुपये तक का अवैध लेन-देन हुआ है, जिससे करोड़ों रुपये लेने की आशंका जताई जा रही है। स्थिति इतनी भयावह है कि जिन जंगलों को पीढ़ियों से ग्रामीणों ने संजोकर रखा, वही अब उनकी आंखों के सामने उजड़ते जा रहे हैं। इतना ही नहीं, कटे हुए जंगलों की जमीन पर खेती की तैयारी करने की भी बात सामने आ रही है। इसे लेकर पूर्व में गांव में भारी विरोध और हंगामा भी हो चुका है, और कटे जंगलों का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। ग्रामीणों में आक्रोश साफ झलक रहा है। इनका कहना है कि हम प्रकृति के पुजारी हैं, लेकिन जिन पर संरक्षण की जिम्मेदारी थी, वही विनाश के सौदागर बन बैठे हैं। शिकायतों के बावजूद अब तक ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों का गुस्सा और बढ़ गया है। ग्राम पंचायत के सरपंच ने भी स्वीकार किया कि पूर्व में उन्हें गुमराह करके सहमति पत्र बनवा लिया गया था, जो बड़ी भूल साबित हुई। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पूरे मामले को लेकर ग्रामीणों ने छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपते हुए निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले समय में पूरा जंगल समाप्त हो सकता है। सवाल यह उठता है कि जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं, तो जंगलों की रक्षा कौन करेगा।

कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति

ग्रामीण और छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष बसंत कुजूर ने कहा कि कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति किया गया है। इस स्थिति के लिए जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारियों पर विभाग को तत्काल एफआइआर दर्ज कराना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। समाज इस मामले को संज्ञान लेकर कठोर कार्रवाई की मांग करेगा।

साइबर अपराध से अर्जित रकम के मामले में 03 आरोपी गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। साइबर अपराध से अर्जित रकम के मामले में गांधीनगर थाना पुलिस ने 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी मामले में शामिल अन्य आरोपियों के साथ मिलकर फ्रॉड की रकम के लेन-देन हेतु बैंक खाता की खरीद-बिक्री में शामिल थे। आरोपियों ने प्रार्थी के एकाउंट में अपराध/साइबर ठगी से संबंधित 48 हजार 500 रुपये का ट्रांजेक्शन करवाने के बाद रकम को आहरित कराया था। अन्य आरोपियों के तलाश में पुलिस लगी है। जानकारी के मुताबिक प्रार्थी शौर्य प्रताप निवासी गांधीनगर, हनुमान मंदिर के पास ने 29 मार्च को थाना गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि उसका ऋत्विक सिंह निवासी सब्जी मार्केट के पीछे से बहुत पहले से परिचय है, जो दूध डेयरी और चाय दुकान का संचालन करता था। दिसम्बर 2024 में ऋत्विक सिंह उसके घर आया और कहा कि उसका खाता काम नहीं कर रहा है, और झांसे में लेकर डेयरी का रकम बोलकर 48 हजार 500 रुपये मंगाने के बाद एटीएम लेकर उक्त रकम को निकाल लिया। कुछ दिन बाद उसका खाता होल्ड हो गया था। जानकारी लेने पर साइबर ठगी से संबंधित रकम के लेन-देन पर खाता होल्ड होने की जानकारी मिली। यह भी पता चला कि ऋत्विक सिंह अपने दोस्त अमन गुप्ता निवासी देवीगंज रोड के साथ मिलकर इसी प्रकार कई लोगों के खाता में रुपये मंगाया है। रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर में धारा 318(4), 3(5) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध करके पुलिस ने विवेचना में लिया था। मामले को संज्ञान मे लेकर डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने थाना गांधीनगर पुलिस टीम को प्रकरण में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में पुलिस टीम ने खाता में ट्रांसफर रकम के संबंध में ऑनलाइन पोर्टल में शिकायत दर्ज होना पाया। विवेचना दौरान आरोपी ऋत्विक सिंह पिता

नरेन्द्र कुमार सिंह 25 वर्ष, निवासी गांधीनगर हाईस्कूल के पीछे, अमन कुमार गुप्ता पिता स्व. चंद्रशेखर गुप्ता 24 वर्ष निवासी देवीगंज रोड से पूछताछ करने पर इन्होंने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर फ्रॉड के रकम लेन-देन हेतु बैंक खाता की खरीद-बिक्री करना स्वीकार किया। आरोपी ऋत्विक सिंह ने स्वयं का तीन खाता एवं प्रार्थी शौर्य प्रताप का खाता और अमन गुप्ता के द्वारा अपना एक करेंट अकाउंट मय सीम अन्य आरोपी को देना बताया। इन खातों में ऑनलाइन फ्रॉड किया गया रकम ट्रांसफर होना पाया गया। इसके अलावा पियुष तिवारी के खाता में भी रुपये ट्रांसफर कराकर नकदी प्राप्त कर सीडीएम मशीन के माध्यम से ट्रांसफर करना बताया गया। पुलिस ने आरोपी पियुष तिवारी पिता कृपा शंकर तिवारी 25 वर्ष निवासी सत्तीपारा से घटना के संबंध में पूछताछ किया तो उसकी भी अपराध में संलिप्तता सामने आई। पुलिस ने प्रकरण में धारा 317(4) बी.एन.एस. जोड़कर आरोपियों का मोबाइल जप्त करके खाता एवं रकम लेन-देन का संधारित डाटा प्राप्त किया है। प्रकरण में आरोपियों को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। कार्रवाई में थाना गांधीनगर से उप निरीक्षक दिलीप दुबे, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक जयदीप सिंह, विकास सिन्हा, आरक्षक वीरेंद्र पैकरा, लालदेव, अशोक यादव, घनश्याम देवांगन, राहुल केरकेट्टा, अमन पुरी, विकास मिश्रा, रमेश राजवाड़े सक्रिय रहे।

हैंडपंप चलाने कहा तो चौकीदार ने टांगी से हमला करके ले ली युवक की जान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिला के लुण्ड्रा थाना अंतर्गत ग्राम करेसर में पानी पीने के लिए हैंडपंप चलाने के लिए कहने पर विवाद कुछ ऐसा गहराया कि जंगल के चौकीदार ने युवक पर टांगी से हमला कर दिया, जिसमें उसकी जान चली गई। स्थानीय पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम पटोरा, जोबलापारा का राकेश घासी पिता स्व. बनारसी घासी 20 वर्ष, अपने दोस्त रामसाय और संजय के साथ 29 मार्च, रविवार को मोटरसायकल में ग्राम करेसर गया था। ग्राम करेसर में अटल चौक के पास पटोरा गांव में रहने वाला लुरसाय मिला, जो जंगल का चौकीदार है। राकेश ने पानी पीने के लिए लुरसाय को हैंडपंप चलाने के लिए कहा, जिस पर वह आवेशित होकर, तुम्हारे बाप का नौकर नहीं हूं कहा। इसके बाद दोनों के बीच विवाद की स्थिति बन गई, और लुरसाय अपने पास रखे टांगी से राकेश के दाहिने पैर में घुटना के पीछे वार कर दिया, जिससे खून निकलने लगा, और वह जमीन पर गिर गया। युवक के साथी रामसाय ने फोन करके इसकी जानकारी राकेश के बड़े भाई आशित को दिया। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची और घायल राकेश को धौरपुर स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया था। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने युवक की स्थिति गंभीर देखते हुए रेफर कर दिया था। 30 मार्च को सुबह 6.20 बजे इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। संभावना अत्यधिक रक्तस्राव से मौत की बनी हुई है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। घटना की जानकारी घटना क्षेत्र के थाने में दी गई है, केस डायरी मिलने पर पुलिस हत्यारोपी चौकीदार के विरूद्ध मामला दर्ज करेगी।

बाइक सहित पुल से 10 फिट नीचे गिरे युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बहन के ससुराल ग्राम जाने के लिए निकला युवक मोटरसायकल सहित पुलिया के नीचे गिर गया। डॉयल 112 की टीम ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम केशगवां का मनिश कुमार पिता स्व. बेदू राम बरगाह 25 वर्ष, 29 मार्च को अपनी छोटी बहन अर्चना के ससुराल, ग्राम कंठी दरिमा जाने के लिए बाइक में सवार होकर घर से निकला था। दरिमा थाना क्षेत्र के भाटापारा पुलिस के पास बेकाबू बाइक सहित युवक पुलिस के नीचे करीब 10 फिट गहराई में गिर गया, जिसमें उसे गंभीर चोटें आई थी। युवक को पुलिया के नीचे गहराई में गिरे राहगीरों ने देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी थी। मौके पर पहुंची डॉयल 112 की टीम ने युवक को पुलिया की गहराई से निकाल कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती करा दिया था। बहन के ससुराल ग्राम तक जब युवक नहीं पहुंचा, तो स्वजन अपने स्तर पर रात में ही उसे तलाशने के लिए निकले, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इधर अस्पताल में लाए गए अज्ञात घायल व्यक्ति के मौत की सूचना आपातकालीन चिकित्सा परिसर प्रबंधन ने पुलिस सहायता केंद्र में दी थी। पुलिस ने घटना क्षेत्र सहित जिले के अन्य थाना व इंटरनेट मीडिया के माध्यम से घायल युवक का फोटो को वायरल किया था, ताकि युवक की पहचान हो सके। 30 मार्च को अज्ञात व्यक्ति से मोबाइल में घटना की जानकारी मिलने पर स्वजन मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने मर्च्युरी में रखवाए गए शव की पहचान फोटो से कराई। युवक की पहचान होने पर पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

'मन की बात' सुनकर उत्साहित हुए भाजपा कार्यकर्ता

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के वार्ड क्रमांक-1 भगवानपुर में 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी एवं वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर की उपस्थिति में समलाया मंडल के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने पीएम नरेंद्र मोदी के संदेश को सुना। कार्यक्रम के बाद संबोधित करते हुए अखिलेश सोनी ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है, हमें संगठन के प्रति और मजबूत होकर सेवा कार्यों में जुटना होगा। अनिल सिंह मेजर ने कहा कि 'मन की बात' प्रत्येक नागरिक को प्रेरित करने वाला मंच है, जो हमें सामाजिक एकता व राष्ट्रहित के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। समलाया मंडल अध्यक्ष कमलेश तिवारी ने 'मन की बात' सुनने पहुंचे सभी कार्यकर्ताओं व आमजन का हृदय से आभार जताते हुए कहा कि यह अवसर हमें पीएम के दृष्टिकोण से जोड़ता है, और हम संकल्प लेंगे कि इन आदर्शों को जीवन में उतारेंगे। इस अवसर पर अभिषेक सिंह देव, अजय सोनी, शैलेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे।

कुश्ती स्पर्धा के तीसरे दिन भी रहा मुकाबले का रोमांच, खिलाड़ियों ने लगाया दम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत सरगुजा जिले के अंबिकापुर में आयोजित कुश्ती स्पर्धा के तीसरे दिन भी मुकाबले का रोमांच जारी रहा। खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक दांव-पेंच लगाकर जीत के लिए जोर लगाया। इस दौरान विजेता प्रतिभागियों को पदक प्रदान किया गया।

कड़े मुकाबले के बीच विजेता पदक प्राप्त करने वालों में महिला सीनियर 53 किलोग्राम में झारखंड की नेहा ओरांव ने गोल्ड, असम की प्रतिमा खाखलरी ने सिलवर, असम की मैनारी खाखलरी एवं मिजोरम की लालवेनहीमी ने कांस्य पदक जीता। महिला सीनियर 76 किलोग्राम भारवर्ग में कर्नाटक की मनीषा जुवाव सिद्दी ने गोल्ड, हिमाचल प्रदेश की मुस्कान ने सिल्वर, मिजोरम की लालहमंगहिसँगी ने कांस्य पदक जीता। इसी प्रकार पुरुष वर्ग में ग्रीको रोमन सीनियर 60 किलोग्राम भार वर्ग में कर्नाटक के रोहन एम दोद्दामनी को गोल्ड, राजस्थान के दिनेश सोलंकी को सिल्वर, मेघालय के झु पा यू झु नोंगतडु ने कांस्य पदक अपने नाम किया। फ्री स्टाइल 97 किलोग्राम भार वर्ग में जम्मू कश्मीर के हमाम हुसैन ने गोल्ड, हिमाचल प्रदेश के मोहित कुमार ने सिल्वर, जम्मू कश्मीर के मोहम्मद वसीम चौधरी ने कांस्य पदक जीता। ग्रीको रोमन सीनियर में 87 किलोग्राम भार वर्ग में हिमाचल प्रदेश के पीयूष गुज्जर को गोल्ड, जम्मू कश्मीर के रियाज हुसैन को सिल्वर एवं हिमाचल प्रदेश के टेकचंद ने कांस्य पदक जीता। फ्री स्टाइल सीनियर में 65 किलोग्राम भार वर्ग में बिहार के मुलायम खरवार को गोल्ड, राजस्थान के राकेश कुमार मीना को सिल्वर एवं कर्नाटक के कैम्पानगौड़ा वी केम्प्पणवार ने कांस्य पदक जीता।

संघर्षों की भट्ठी में तपकर सोना बने झारखंड के अंजित मुंडा, कुश्ती में जीता गोल्ड मेडल

भारतीय सेना में 'अग्निवीर' के रूप में दे रहे हैं सेवाएं

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कहते हैं 'यदि इरादे फौलादी हों और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो, तो अभाव भी सफलता की राह नहीं रोक सकते।' झारखंड के रामगढ़ जिले के एक छोटे से गांव सुगिया के युवा पहलवान अंजित कुमार मुंडा ने इस बात को सच कर दिखाया है। अंबिकापुर के गांधी स्टेडियम में आयोजित 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' के दौरान अंजित ने 67 किलोग्राम भार वर्ग की कुश्ती स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया है।

संघर्ष से सफलता तक का सफर-मात्र 20 वर्ष की आयु में सफलता के शिखर को छूने वाले अंजित का जीवन चुनौतियों से भरा रहा है। वर्ष 2009 में पिता का साया उठ जाने के बाद, उनकी माता ने खेती-बारड़ी और कठिन परिश्रम के बल पर परिवार को संभाला। अंजित ने वर्ष 2017-18 में कुश्ती की शुरुआत की और जेएसएसपीएस स्पोर्ट्स अकादमी में लगभग 6 वर्षों तक कड़ा अभ्यास किया। उनकी शारीरिक क्षमता और तकनीक को देखते हुए प्रशिक्षकों ने उन्हें कुश्ती के लिए तराशा।

'अग्निवीर' के रूप में दे रहे सेवाएं-अंजित की खेल प्रतिभा और देश सेवा के जज्बे ने उन्हें भारतीय सेना तक पहुंचाया। पिछले वर्ष ही उनका चयन 'अग्निवीर जीडी' के पद पर हुआ है। अपनी इस सफलता का श्रेय वे अपने कोच को देते हैं। अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए अंजित मुंडा ने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स ऐसे जनजातीय बच्चों के लिए एक उत्कृष्ट मंच है, जो अक्सर मुख्यधारा से पीछे छूट जाते हैं। पहली बार आयोजित इस प्रतियोगिता में गोल्ड जीतना उनके लिए गर्व की बात है। अगला लक्ष्य छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाली आगामी प्रतियोगिताओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है।

उज्वल भविष्य की उम्मीद-पूर्व में कांस्य पदक जीतने के कारण छात्रवृत्ति से वंचित रहे अंजित को अब स्वर्ण पदक जीतने के बाद केंद्र सरकार से सहयोग और स्कॉलरशिप मिलने की पूरी उम्मीद है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकें। अंबिकापुर में चल रहे खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में अंजित की यह उपलब्धि न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश के जनजातीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी है।

ठेकेदार की मनमानी से 7.40 करोड़ लागत का सड़क निर्माण सवालों के घेरे में

जनप्रतिनिधियों की आपत्ति के बाद भी जारी है घटिया निर्माण, जिम्मेदार तमाशा देख रहे

छ.ग.फ्रंटलाइन भैयाथान। सूरजपुर जिला के विकासखंड भैयाथान में गंगोटी से शिवपुर-नवापारा पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य करीब 7 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा कराया जा रहा है, लेकिन निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि बड़े ठेकेदार की मनमानी के चलते मानकों की अनदेखी कर निर्माण किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई जगहों पर घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है और मानक के अनुरूप निर्माण नहीं हो रहा है। जनप्रतिनिधियों द्वारा कई बार आपत्ति जताने के बावजूद निर्माण

कार्य में सुधार नहीं हुआ। क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि ठेकेदार की पकड़ इतनी मजबूत है कि विभाग के ईई, इंजीनियर और एसडीओ स्तर तक अधिकारी भी उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने से बचते हैं। यहां तक कि लोगों में यह चर्चा है कि ठेकेदार अधिकारियों के तबादले तक प्रभावित करने की क्षमता रखता है, जिसके कारण विभागीय कार्रवाई नहीं हो पा रही है। हालांकि इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले में विभाग के एसडीओ राजीव वर्मा ने कहा कि यदि निर्माण कार्य की गुणवत्ता सही नहीं पाई गई तो मूल्यांकन नहीं होगा और भुगतान नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद कथित रूप से उसी सामग्री से निर्माण कार्य जारी है, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। इधर, डबरीपारा से डुमरिया पहुंच मार्ग पर खुटरापारा के पास गोबरी नदी का पुल पिछले वर्ष बरसात में क्षतिग्रस्त होकर टूट चुका है। यदि बरसात से पहले सड़क निर्माण पूरा नहीं हुआ, तो करीब 10 हजार की आबादी प्रभावित होगी और चार ग्राम पंचायतों के लोगों को ब्लॉक एवं जिला मुख्यालय पहुंचने के लिए लगभग 25 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी। ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार की कार्यशैली को देखते हुए सड़क समय पर पूरी होने की उम्मीद कम है। आने वाले मानसून में क्षेत्रवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

तटबंध निर्माण पर भी उठे सवाल

सड़क किनारे तालाब तटबंध निर्माण में भी अनियमितता की शिकायत सामने आई है। ग्रामीणों के अनुसार नान तालाब और बहरापार तालाब के पास बनाए जा रहे तटबंध में क्रेशर डस्ट का उपयोग किया जा रहा है और बिना सरिया (छड़) लगाए निर्माण किया जा रहा है, जिससे तटबंध की मजबूती पर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की जांच कराकर गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराने की मांग की है।

तटबंध में जीएसबी क्रेशर डस्ट का उपयोग

जनपद सदस्य गंगोटी राजू गुप्ता का कहना है कि सड़क निर्माण कार्य बहुत सुस्त है। दो स्थानों पर तटबंध बनाया जा रहा है, जिसमें सड़क बनाने वाले जीएसबी क्रेशर डस्ट का उपयोग किया जा रहा है। इसकी सूचना मैंने एसडीओ राजीव वर्मा को दी थी, जिस पर उन्होंने मूल्यांकन नहीं करने व तोड़कर पुनः बनाने की बात कही थी, लेकिन निर्माण कार्य धड़ल्ले से जारी है।

मैं तत्काल दिखवाता हूं। एसडीओ राजीव वर्मा छुट्टी में हैं, प्रभारी एसडीओ को भेजकर जांच कराता हूं। गुणवत्ता पूर्ण कार्य हमारी प्राथमिकता है।
ललित भोई, ईई, लोनिवि सूरजपुर

Since 2003
Based on CBSE Syllabus
Admission Open
Nursery to 10th
Milestones School
English Medium
Add. : Behind Central Bank Gudri Chowk, Ambikapur Mob. 9826190902
Office Time : 10 AM to 2 PM

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर